श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 210, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 28 अगस्त 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

झारखंड में सियासी कोहराम

सीएम हाउस से 3 बसों में खूंटी के गेस्ट हाउस लाए गए विधायक, बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे का दावा इस बसों में केवल 33 विधायक जा रहे

रांचीः झारखंड में सियासी उठापटक के बीच शनिवार को सीएम हाउस से 3 लग्जरी बसों में विधायकों को शिफ्ट किया गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधायकों के साथ खूंटी जिले के लतरातू डैम पहुंचे। डूमरगढ़ी गेस्ट हाउस में विधायकों को ठहराया गया है। विधायकों की सुरक्षा के लिए फोर्स तैनात की गई है। विधायकों के आने से पहले खूंटी के डूमरगढ़ी गेस्ट हाउस में कुर्सियां और गद्दे मंगवाए गए थे। यहां रिफ्रेशमेंट के बाद मुख्यमंत्री कुछ विधायकों के साथ डैम में बोटिंग करने भी गए। खूंटी के डीसी और एसपी भी मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि यहां पर कुछ देर रुकने के बाद विधायकों को कहीं और शिफ्ट किया जा सकता है। हालांकि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर का दावा है कि यहां से विधायक रांची लौट आएंगे।

गेस्ट हाउस में मटन, फिश करी और चावल तैयारः लतरातू डैम के गेस्ट हाउस में विधायकों के खाने की विशेष व्यवस्था की गई है। विधायकों के खाने के लिए मटन, फिश करी और चावल बनाया गया है। वेजिटेरियन के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। सीएम हाउस से तीन बसों में विधायकों को लेकर सीएम खूंटी के डूमरगढ़ी गेस्ट हाउस पहुंचे हैं। विधायकों की कड़ी सुरक्षा के बीच यहां लाया गया है। विधायकों का कहना है कि हम पिकनिक मनाने जा रहे हैं। वहीं राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा कि ऑपरेशन लोटस चलता रहता है। महाराष्ट्र में हुआ, दिल्ली में कोशिश हुई। बिहार में भी कोशिश की गई।

सीएम सोरेन के चुनाव नहीं लड़ने पर जारी है सस्पेंस

हेमंत सोरेन ने पूरे घटनाक्रम पर करारा जवाब दिया है। ट्वीट कर उन्होंने कहा है, "सरकारी कुर्सी के भूखे हम लोग नहीं है। बस एक संवैधानिक व्यवस्था की वजह से आज हमें रहना पड़ता है, क्योंकि उसी के माध्यम से हम जन-कल्याण के काम करते हैं। ऐसे में नियम के अनुसार गवर्नर को सरकार बनाने का पहला मौका झामुमो को ही मिलेगा।

विधायकों का समर्थन पहले से ही झामुमो के पासः हालात के मद्देनजर झामुमो ने पहले ही सभी विधायकों का हस्ताक्षर समर्थन पत्र पर करवा लिए हैं। झामुमो और कांग्रेस दोनों पार्टियों के विधायकों से ये दस्तखत करवाए गए हैं। झामुमो सूत्रों की मानें तो 42 विधायकों का समर्थन पत्र बनकर पहले से तैयार कर लिया गया है।

सीएम के चुनाव नहीं लड़ने पर जारी है सस्पेंसः इस बीच सीएम को एक तय समय तक चुनाव नहीं लड़ने के सवाल पर सस्पेंस जारी है। राजभवन के सूत्रों की मानें तो राज्यपाल ने फिलहाल सीएम की विधायकी रद्द की है। डिबार करने संबंधी कोई बात सामने नहीं आई है। ऐसे में अगर केवल सीएम की विधायकी जाती है तो वे इस्तीफा देने के बाद तुरंत विधायक दल के नेता चुने जाएंगे और राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। हालांकि, ये सब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

विराट कोहली को न केवल भारत के लिए बल्कि अपने लिए भी रन बनाने की जरूरतः गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि संघर्षरत विराट कोहली को न केवल भारत के लिए बल्कि अपने लिए भी रन बनाने की जरूरत है।

गांगुली ने कोलकाता में सेनको गोल्ड एंड डायमंड्स के डीजी गोल्ड प्रमोशनल इवेंट से इतर मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, "कोहली को न केवल भारत के लिए बल्कि खुद के लिए रन बनाने की जरूरत है। उम्मीद है कि यह उसके लिए अच्छा सीजन होगा। हम सभी को विश्वास है कि वह वापसी करेगा।" कोहली का आखिरी अंतरराष्ट्रीय शतक 2019 में ईडन गार्डन्स में बांग्लादेश के खिलाफ गुलाबी गेंद के टेस्ट के दौरान आया था। गांगुली ने कहा, "मुझे यकीन है कि जैसे हम सभी उसके शतक लगाने का इंतजार कर रहे हैं, वह खुद भी इसके लिए काम कर रहा होगा।"

उन्होंने कहा, 'समय की वजह से टी20 में शतक बनाने की संभावना कम है। लेकिन उम्मीद है कि कोहली के लिए यह बड़ा सीजन होगा।'

बीएसएफ ने पाकिस्तानी नागरिक को दबोचा

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान सियालकोट निवासी मोहम्मद शबद (45) के रूप में हुई है। फिलहाल बीएसएफ अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने बीएसएफ को अलर्ट जारी किया था कि कोई घुसपैठिया अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने वाला है।

जस्टिस यूयू ललित ने ली सीजेआई के रूप में शपथ, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

नई दिल्लीः जस्टिस यूयू ललित ने आज देश के नए चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ले ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। 26 अगस्त को जस्टिस एनवी रमना के सेवानिवृत्त होने के बाद जस्टिस यूयू ललित को चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया है। वे देश के 49वें चीफ जस्टिस होंगे।

10 अगस्त को राष्ट्रपति ने जस्टिस ललित को चीफ जस्टिस के रूप में नियुक्त किया था। चीफ जस्टिस के रूप में उनका कार्यकाल 8 नवंबर तक का होगा। जस्टिस ललित का जन्म 9 नवंबर, 1957 को हुआ था। जून 1983 से उन्होंने वकालत शुरू की। 1985 तक बाम्बे हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने के बाद वे जनवरी 1986 में दिल्ली शिफ्ट हो गए।

अप्रैल 2004 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट का दर्जा दिया गया। 2 जी के मामले में वे सीबीआई के स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्युटर नियुक्त किए गए।

उन्हें 13 अगस्त, 2014 को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था।

राहुल गांधी ही बनें कांग्रेस अध्यक्षः मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्लीः कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि वे राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनने के लिए मनाएंगे। अगर वे नहीं माने तो उन पर दबाव भी डालेंगे। उन्होंने यह बात गुलाम नबी आजाद के कांग्रेस से इस्तीफा देने के एक दिन बाद कही। आजाद ने अपने इस्तीफे में राहुल पर कांग्रेस को बर्बाद करने का आरोप लगाया था।

राहुल के अलावा कोई विकल्प नहीं: खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी के अलावा पार्टी में कोई दूसरा नेता नहीं है जो देशभर में लोकप्रिय हो। ऐसे ही किसी नेता को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए जिसे कश्मीर से कन्या कुमारी और गुजरात से बंगाल तक जनता का समर्थन हासिल हो। कोई ऐसा नेता जो जाना-माना नाम हो और जिसे पूरी कांग्रेस पार्टी स्वीकार करती हो।

भारत जोड़ने के लिए राहुल गांधी की जरूरतः खड़गे बोले, 'पार्टी की खातिर, देश की खातिर, संघ और भाजपा से लड़ने के लिए और देश को एकजुट रखने के लिए हम राहुल गांधी से पार्टी अध्यक्ष बनने की अपील करेंगे। हम राहुल गांधी के पीछे खड़े हैं। हम उन्हें मनाने की कोशिश करेंगे।

एनआईए ने अल्प समय में ही बेंचमार्क स्थापित कियाः अमित शाह

रायपुरः गृहमंत्री अमित शाह बीएसएफ (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) के विशेष विमान से रायपुर पहुंचे। उन्होंने नवा रायपुर में एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) की नई बिल्डिंग का उद्घाटन किया। शाह ने एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) के काम की जमकर तारीफ की और कहा कि चुनाव से पहले देश के सभी राज्यों में एनआईए की ब्रांच होगी। शाह साइंस कॉलेज स्थित दीनदयाल ऑडिटोरियम भी पहुंचेंगे। जहां भाजपा की तरफ से मोदी@20 किताब पर परिचर्चा का आयोजन किया गया है। एनआईए भवन के उद्घाटन के समय अमित शाह के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहे। वे रिबन कटिंग के वक्त बिलकुल उनके साथ खड़े हुए। स्वागत के बाद संबोधन की शुरूआत हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, यह भव्य भवन एनआईए की बढ़ती साख और दबदबे का प्रतीक है। एनआईए स्थापना का समय लंबा नहीं है। किसी भी एजेंसी को उभरने, साख बनाने और परिणाम लाने में लंबा समय जाता है। एनआईए ने अल्प समय में ही काम में बेंचमार्क स्थापित किया है। यह देश के लिए गौरव की बात है। दोष सिद्धि के मामले में एजेंसी ने गोल्ड मानक स्थापित किये हैं।

टीएमसी के किसी नेता को बख्शा नहीं जाएगाः घोष

कोलकाताः भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने शुक्रवार को टीएमसी पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वो दिन दूर नहीं जब राज्य में भ्रष्टाचार के मामलों में शामिल टीएमसी नेताओं को सार्वजनिक रूप से पीटा जाएगा। ये बात उन्होंने राज्य में कए विरोध रैली को संबोधित करते हुए कहीं। घोष ने कहा कि टीएमसी नेताओं को पशु तस्करी और एसएससी घोटालों सहित कई मामलों शामिल होने पर जनता में आक्रोश है। राज्य के लोग इस भ्रष्ट टीएमसी शासन से तंग आ चुके हैं। वे जल्द ही घोटालों में शामिल होने पर जनता के गुस्से का सामना करेंगे।

किसी को भी बख्शा नहीं जाएगाः अभी केवल दो टीएमसी नेताओं को गिरफ्तार किया गया है और पार्टी इस पर रो रही है। वह दिन दूर नहीं जब पूरा टीएमसी नेतृत्व सलाखों के पीछे होगा। तृणमूल कांग्रेस के किसी भी नेता को बख्शा नहीं जाएगा, उन्हें अपने पापों की कीमत चुकानी होगी।

विपक्ष ने कहा- घोष का भाजपा में कोई महत्व नहीं: घोष पर पलटवार करते हुए टीएमसी नेता और सांसद सौगत रॉय ने कहा कि घोष का अब उनकी पार्टी में कोई महत्व नहीं रह गया है। वह बंगाल के राजनीतिक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अहमदाबाद में अटल ब्रिज का किया उद्घाटन

'खादी हमारे इतिहास-विरासत का अभिन्न हिस्सा'

अहमदाबादः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साबरमती नदी पर फुट ओवर ब्रिज 'अटल पुल' का उद्घाटन किया। वे रविवार को कच्छ के अंजार कस्बे में वीर बालक स्मारक का भी अनावरण करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि साबरमती के ये किनारा आज धन्य हो गया है। आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 7,500 बहनों-बेटियों ने एक साथ चरखे पर सूत कातकर नया इतिहास रच दिया है। ये मेरा सौभाग्य है कि मुझे भी कुछ पल चरखे पर सूत कातने का मिला।

खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की नई बिल्डिंग का उद्घाटनः उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यहां मौजूद सभी लोग, इस आयोजन को देख रहे सभी लोग आज यहां 'खादी उत्सव' की ऊर्जा को महसूस कर रहे होंगे। आजादी के अमृत महोत्सव में देश ने आज 'खादी उत्सव' करके अपने स्वतंत्रता सेनानियों को बहुत सुंदर उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि आज ही गुजरात राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड की नई बिल्डिंग और साबरमती नदी पर भव्य अटल ब्रिज का भी लोकार्पण हुआ है। मैं गुजरात के लोगों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

खादी प्रेरणा-स्त्रोत बन सकता हैः उन्होंने कहा कि अटल ब्रिज, साबरमती नदी को, दो किनारों को ही आपस में नहीं जोड़ रहा, बल्कि ये डिजाइन और इनोवेशन में भी अभूतपूर्व है। इसकी डिजाइन में गुजरात के मशहूर पतंग महोत्सव का भी ध्यान रखा गया है। इतिहास साक्षी है कि खादी का एक धागा, आजादी के आंदोलन की ताकत बन गया, उसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ दिया। खादी का वही धागा, विकसित भारत के प्रण को पूरा करने का, आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने का प्रेरणा-स्त्रोत बन सकता है।

आजादी के 75 वर्ष का भी जिक्र कियाः उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले गुजरात सहित पूरे देश ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर बहुत उत्साह के साथ अमृत महोत्सव मनाया है। गुजरात में भी जिस प्रकार गांव-गांव, गली-गली हर घर तिरंगे को लेकर उत्साह, उमंग और चारो तरफ मन भी तिरंगा, तन भी तिरंगा, जज्बा भी तिरंगा उसकी तस्वीरें हम सभी ने देखी हैं।

'पंच प्रण' को दोहरायाः पीएम मोदी ने इस दौरान 'पंच प्रण' को दोहराया। उन्होंने कहा कि मैं 'पंच प्रण' को फिर से दोहराना चाहता हूं-

1- विकसित भारत बनाने का लक्ष्य
2- गुलामी की मानसिकता का पूरी तरह से त्याग
3- अपनी विरासत पर गर्व
4- राष्ट्र की एकता बढ़ाने का पुरजोर प्रयास
5- हर नागरिक का कर्तव्य

आज का ये 'खादी उत्सव' इन पंच प्रण का एक सुदंर प्रतिबिंब भी है।

'यूपी की सभी लोकसभा सीटें जीतेगी भाजपा'

मेरठ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उप्र की सभी 80 सीटों पर जीत हासिल करेगी। भाजपा का जनता के साथ गठबंधन हो चुका है और प्रत्येक चुनाव में जनता का आशीर्वाद भाजपा को मिल रहा है। सर्किट हाउस में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जा रहे कार्यों पर जनता का विश्वास है। जनता के आशीर्वाद से भाजपा को हर चुनाव में जीत मिल रही है। उप्र सरकार ने चीनी मिलों की क्षमता बढ़ाई है। इसका सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में सभी चीनी मिलों में पेराई हो रही है। बंद पड़ी चीनी मिलों को चालू किया गया। सपा-बसपा की सरकार में चीनी मिलें बंद पड़ी रहती थीं। गन्ना मूल्य भुगतान कराया जा रहा है। उप्र की बदहाली के लिए भूपेंद्र चौधरी ने अखिलेश यादव और मायावती को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश, जयंत और मायावती बरसाती मेंढक हैं।

एलजी ऑफिस के इस कदम से राजधानी में दो संवैधानिक प्राधिकारों के बीच खींचतान तेज होने की संभावना

बिना सीएम के साइन वाली 47 फाइल को एलजी ने लौटाया

एलजी सचिवालय द्वारा लौटाई गई विभिन्न फाइल में शिक्षा विभाग और वक्फ बोर्ड समेत अन्य विभागों से संबंधित फाइल शामिल हैं

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) कार्यालय ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के कर्मचारियों द्वारा हस्ताक्षरित 47 फाइल लौटा दी हैं। एलजी ऑफिस ने यह जानकारी शनिवार को दी। एलजी ऑफिस के इस कदम से राजधानी में दो संवैधानिक प्राधिकारों के बीच खींचतान तेज होने की संभावना है। यह घटनाक्रम उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना द्वारा केजरीवाल को पत्र लिखे जाने के करीब एक सप्ताह बाद सामने आया है। जिसमें कहा गया था कि सीएमओ बिना मुख्यमंत्री केजरीवाल के हस्ताक्षर वाली फाइल एलजी सचिवालय को राय और मंजूरी के लिए भेज रहा है। एलजी कार्यालय ने बताया कि एलजी सचिवालय द्वारा लौटाई गई विभिन्न फाइल में शिक्षा विभाग और वक्फ बोर्ड समेत अन्य विभागों से संबंधित फाइल शामिल हैं। सूत्रों ने दावा किया कि एलजी द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बावजूद सीएमओ ने मुख्यमंत्री के बिना हस्ताक्षर वाली फाइल भेजना जारी रखा है।

केरल के राज्यपाल से छीने गए अधिकार

तिरुअनंतपुरमः केरल के तिरुअनंतपुरम में भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई से बचने के लिए सरकार ने राज्यपाल की शक्तियां कम कर दी हैं। इस बारे में विधानसभा की विचार समिति ने लोकायुक्त संशोधन विधेयक को पारित कर दिया है। संशोधन के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत होने पर राज्यपाल के पास फैसला लेने का अधिकार नहीं होगा। यह अधिकार अब विधानसभा को दे दिया गया है। जबकि मंत्रियों के खिलाफ रिपोर्ट आने पर मुख्यमंत्री फैसला लेंगे और विधायकों के खिलाफ शिकायत का फैसला विधानसभा अध्यक्ष लेंगे। हालांकि, जनसेवक के खिलाफ लोकायुक्त में शिकायत होने पर अपीलीय अधिकारी कौन होगा, इसका फैसला नहीं हुआ है।

संशोधन विधेयक पर विधानसभा में होगी चर्चाः संशोधन विधेयक पर 29 अगस्त को विधानसभा में भी चर्चा होनी है। बता दें कि ये फैसला उस समय हुआ, जब खुद मुख्यमंत्री विजयन पर राज्य के फंड के दुरुपयोग का आरोप लगा। उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू के खिलाफ भी आरोपों सहित लोकायुक्त के समक्ष सरकारी अनियमितताओं के बारे में कई शिकायतें हैं। ऐसे में सरकार राहत खोजने में जुटी हुई थी। विश्लेषकों का मानना है कि विजयन को अपनी सदस्यता जाने का डर था, इसी कारण संशोधन लाए।

विपक्ष ने संशोधन को संविधान का उल्लंघन बतायाः राज्य के कानून मंत्री पी राजीव ने इस कदम को सही ठहराते हुए कहा कि सरकार लोकायुक्त को न्यायिक प्रणाली के बजाय एक जांच तंत्र के रूप में देखती है।

खबर संक्षेप

मंत्री से मिलकर उग्रसेन पुर में मिनी स्टेडियम बनवाने की मांग की गई

प्रतापपुर। ग्रामीण खेल मंत्री के प्रयागराज आगमन पर भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व मंडल अध्यक्ष उग्रसेनपुर निवासी राजसोनी की अगुवाई में युवा मोर्चा की टीम ने मुलाकात कर उग्रसेनपुर में मिनी खेल स्टेडियम बनवाने के लिए माँग पत्र सौंपा मंत्री ने मिनी खेल स्टेडियम बनवाने का आश्वासन दिया। गौरतलब है उग्रसेनपुर के खेल मैदान में क्षेत्र के युवा बड़ी संख्या में सेना में जाने के तैयारी और खेल से जुड़ी तैयारी करते है मिनी स्टेडियम के निर्माण से युवाओं को तैयारी में काफी सहयोग मिलेगा।

जमीन का कब्जा दिलाने गई राजस्व टीम पर हमला, 2 पुलिसकर्मी घायल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा पार में शनिवार को जमीन का कब्जा दिलाने गई राजस्व टीम और पुलिस पर भी पक्षियों ने पथराव कर दिया घटना में 2 पुलिसकर्मी तथा पीड़ित पक्ष के 10 लोग घायल हो गए हैं सूचना मिलते ही हंडिया , उतरांव, सरायममरेज तीन थानों की फोर्स पहुंची है इसके बाद एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल 3 एसओ भी मौके पर पहुंचे । कुल 50 पुलिसकर्मी ने स्थिति को नियंत्रण में किया घटना हंडिया तहसील के चक अब्दुल्ला गांव की है।

दो पुलिसकर्मी घायल, दोषियों पर होगी कार्रवाई : हंडिया के चक अब्दुल्लाह गांव के राघव प्रसाद यादव अपने पुश्तैनी जमीन पर मकान का निर्माण कर रहे थे जिसके बाद विपक्षी साधु भारतीय की ओर से उनके मकान निर्माण में बाधा डाला जा रहा था पीड़ित ने मामले को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

समाधान दिवस में पीड़ित ने की थी शिकायत : शिकायत तथा न्यायालय से आदेश के बाद उप जिलाधिकारी द्वारा टीम को भेजकर जमीन की नाप कराई गई इसके

जमीन की नाप करने जा रही राजस्व टीम

पश्चात विपक्षी पीड़ित को उसका मकान निर्माण नहीं करने दे रहे थे पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से मामले की शिकायत की थी शिकायत के बाद शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी के आदेश पर थाना अध्यक्ष की ओर से पुलिस बल मुहैया कराया गया था ।

टीम के पहुंचते ही ग्रामीणों ने शुरू कर दिया था पथराव : जिसके बाद मौके पर पहुंची राजस्व और पुलिस टीम पर विपक्षियों ने पथराव कर दिया । घटना में पीड़ित परिवार के 10 लोग और दो पुलिसकर्मी को चोटें आई हैं वहीं एसपी गंगापार अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि संपूर्ण समाधान दिवस पर पुलिस और राजस्व टीम द्वारा जमीन के मामला का निस्तारित करना था उसके पूर्व ही विपक्षियों द्वारा पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया । जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं उनका मेडिकल कराया जा रहा है साथ ही जो भी दोषी हैं उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

घायल सिपाही रामप्रीत सिंह

नाप के दौरान मौजूद पुलिस फोर्स

गैस लदे ट्रक से हुआ एक्सीडेंट पत्नी की गई जान पति घायल

अखंड भारत संदेश

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत मुंगारी गांव के पास शुक्रवार शाम बाइक सवार दंपत्ति व उनके साथ बैठे एक मासूम को गैस लदी ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे विवाहित की मौके पर ही मौत हो गई दुर्घटना में युवक को भी चोट आई है औद्योगिक क्षेत्र थाना के बजहा गांव निवासी रविशंकर अपनी बाइक से पत्नी रेनू (30) व एक बच्चे को बैठाकर शुक्रवार की सुबह शहर की किसी काम से गया हुए थे शाम को वापस लौटते समय मंगारी गांव के पास पीछे से आ रहे गैस लदे ट्रक ने टक्कर मार दिया जिससे रेनू की मौके पर ही मौत हो गई रविशंकर व उनका बच्चा दूर जा गिरे हादसे में रविशंकर को भी चोटें आई है सूचना पर पहुंची पुलिस ने रेनू के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि घायल का नजदीकी अस्पताल में इलाज कराया हादसे की जानकारी होने पर रविशंकर के घर के लोग मौके पर पहुंच गए पुलिस ने गैस लदे ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया हैं।

चार अलग अलग गांवों में मार पीट कई घायल डेढ दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। चार अलग अलग गांवों में मार पीट कई घायल डेढ दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता में नीम के पेड काटने को लेकर हुए विवाद में मार पीट हुई। जिसमें अनारकली पत्नी ललई ने थाने में निखिल और आनारा देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। ग्राम बादीपुर में मामूली कहासुनी पर संतोषी देवी पत्नी राधेश्याम को चोटें आयी है। पुलिस ने मनोज कुमार ,सतेह बहादुर ,रोहित ,मोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। उधर ग्राम गमरहटा निवासी सुरेश कुमार पुत्र हीरालाल का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर उसे और उसके भाई राकेश कुमार को घर में घुस कर मारा पीटा गया और गृहस्थी का सामान तोड दिया गया। सुरेश कुमार ने मऊआइमा थाने में पटेल ,,रंजीत उर्फ टिडडू ,भोला पटेल ,मानिक चन्द्र ,दीपक एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है ।उधर ग्राम दुबाही निवासी अशरफ अली पुत्र अहमद अली का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुस कर मारा पीटा गया। अशरफ ने मऊआइमा थाने में तनवीर उर्फ सलमान ,कादिर अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

पुलिस महानिरीक्षक ने नैनी थाना दिवस पर सुनी जनसमस्याएं

अखंड भारत संदेश

नैनी। महीने के अंतिम शनिवार के दिन थानासमाधानदिवस के अवसर पर थाना नैनी कोतवाली में थाना समाधान दिवस मनाया गया इस मौके पर प्रयागराज पुलिस महानिरीक्षक एवं कमिश्नर प्रयागराज के उपस्थिति में थाना परिसर में उपस्थित लोगों की समस्याओं को सुनकर यथाशीघ्र निस्तारण कराने हेतु संबंधित को आवश्यक निर्देश दिया गया। इस

मौके पर एसडीएम करछना क्षेत्रधिकारी करछना नैनी थाना प्रभारी एवं समस्त चौकी इंचार्ज कानूनगो लेखपाल मौजूद रहे।

थाना दिवस पर अधिकारी रहे नदारद

करछना। शनिवार को करछना थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी विश्वजीत सिंह ने करते हुए आए फरियादियों की फरियाद सुनी। इस दौरान क्षेत्र से आए हुए फरियादियों के द्वार दो शिकायती पत्र दिए गए। जिसका मौके पर थाना प्रभारी ने निस्तारण कर दिया। लेकिन खास बात यह रहा कि लोगों की समस्या का निस्तारण के लिए आयोजित होने वाले थाना समाधान दिवस के मौके पर राजस्व विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूरी तरह से नदारद रहे। जिससे अधिकारियों की उदासीनता व लापरवाही के चलते थाना समाधान दिवस मजाक बनकर रह गया।

भूपेन्द्र चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकताओं में हष

सहसों। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठनात्मक दृष्टिकोण को देखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पद पर भूपेन्द्र चौधरी को नियुक्त किए जाने पर प्रदेश के समस्त कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा हर्ष व्यक्त किया जा रहा है तथा बधाई भी दी जा रही है। क्षेत्र के गुलालपुर हेतापट्टी स्थित श्री राजाराम तिवारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय प्रयागराज के प्रांगण में शुक्रवार को प्रधानाचार्य शिव प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में एक बैठक कर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी को हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी गई। इस मौके पर बैठक में उपस्थित जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा गंगापार रमेश कुमार द्विवेदी ने कहा कि बड़े भाई भूपेन्द्र चौधरी के नेतृत्व में पार्टी उत्तर प्रदेश में नई उमंग के साथ और सशक्त होकर आम जनता के बीच जन जन तक उभरेगी। उन्होंने कहा मैं भाजपा प्रयागराज संगठन की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी को शुभकामनाएं। इस मौके पर प्रमुख रूप से जयप्रकाश द्विवेदी, राजधर द्विवेदी, महारानी दीन मिश्र, राजेश कुमार मिश्र, राम निरंजन मिश्र, प्रमोद नारायण मिश्र, अशोक शर्मा, जबर सिंह यादव, जिला मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

लोककलाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर, इन्हें सहेजना जरूरी : अशोक

करछना। अपनी माटी,परिपाटी संस्कृति,संस्कार, परम्परा,लोकाचार का अलख जगाती उल्लास से श्रृजित लोककलाएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं।गायन, वाद्य, नृत्य, जादूगरी की परिधि में लोकनाट्य, लोकसंगीत, लोकवाद्य के रूप में यही लोककलाएं भिन्न-भिन्न प्रदेशों की अपनी एक पहचान बनकर रंगमंचों पर समूचे भारत की विविधता और अनेकता में एकता का बिंम्ब स्थापित करती हैं। हमारे लोक कलाकारों को चाहिए कि अपनी अतीत की इस परम्परा को कायम रखें। एसीआईटी साधु कुटी में बच्चों को देश के विभिन्न भागों के लोकनृत्यों के बारे में बताते हुए यह बातें आकाशवाणी और दूरदर्शन से जुड़े चर्चित हास्य कवि और लोककलाकार अशोक बेशरम ने कही। लोक कवि ने बताया कि कर्नाटक का सुग्गी, करगा,मध्य प्रदेश का मटकी खाड़ा, अहिराई, बिहार का विदेशिया, कजरी, हरियाणा का झूमर, धमाल, उत्तर प्रदेश का नौटंकी, रासलीला, गुजरात का गरबा, डांडिया, उड़ीसा का झाऊ और घूमरा, पंजाब का गिद्दा और भांगड़ा, हिमाचल प्रदेश का डांगी,महाराष्ट्र के दहीकला लावणी जैसे पूरे देश के विभिन्न प्रदेशों में अपनी लोकसंस्कृति का अद्भुत रंग पहचान बने लोकनृत्यों की एक अद्भुत और सम्बृद्ध परंपरा रही है। अलग-अलग बोलीबानी,वेशभूषा,वाद्ययंत्रऔर लयदारियों के साथ विभिन्न पर्वों पर यही लोकनृत्य हमारी एक विशेष पहचान हैं।आज के बदलते परिवेश में भी हमारे गांवों में ऐसी तमाम प्रतिभाएं हैं जिन्हें अपने ऐसे लोकनृत्यों के बारे में सीखने जानने पहचानने और मंचों पर प्रदर्शित करने के लिए आगे आने की जरूरत है। यही लोककलाएं शिक्षित होने के साथ-साथ हमें अपनी पहचान से जोड़ने का भी पर्याय हैं। बच्चों को चाहिए कि पठन-पाठन के साथ-साथ अपने हुनर और प्रतिभा को संगीत,कला से जोड़ते हुए के अपनी इस विरासत और गौरवशाली परंपरा को सजोंएं। इस मौके पर वरिष्ठ लोक कलाकार रामअवध यादव ने भी अपने खेत,खलिहान,घर आंगन के पारंपरिक और संस्कार गीतों के बारे में बच्चों को जानकारी दी।

न्यूज झरोखा

भूपेंद्र चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपाइयों में खुशी

मेजा रोड । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह और राष्ट्रीय अध्यक्षजगत प्रकाश नड्डा ने भूपेंद्र चौधरी को उत्तरप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। श्रीचौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर मेजाविधान सभा के भाजपाइयों ने खुशी व्यक्तकिया है। मेजा के छतवा गाँव के भाजपा केबरिष्ट नेता प्रेमशंकर सिंह ने प्रदेश अध्यक्षभूपेंद्र सिंह से यूपी भवन दिल्ली में मुलाकातकर बधाई दी है। प्रेम शंकर सिंह ने कहा किश्री सिंह के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर निश्चितरूप से प्रदेश का चहुमुखी विकास होगा।उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महासचिव को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

बारा थाने का एक वारंटी किया गया गिरफ्तार

बारा। पुलिस अधीक्षक प्रयागराज के आदेश के अनुपालन में व पुलिस अधीक्षक यमुना पार के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी बारा के कुशल नेतृत्व में27/08/2022 को स्थानीय थाना पर पंजीकृत मुकदमा आमद संख्या 141/22 धारा 354/506/452 भा0द0वि 0 7/8 पाक्सो एक्ट से संबंधित अभियुक्त दया शंकर पुत्र छोटेलाल निवासी धरा थाना बारा जनपद प्रयागराज उम्र 32 वर्ष को उपनिरीक्षक कौशलेंद्र बहादुर सिंह मय कांस्टेबल अभिषेक यादव कांस्टेबल धर्मेंद्रमौर्या के द्वारा लगातार तलाश एवं दबिश देने के क्रम में मुखबिर की खास सूचना पर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डेरा से थोड़ा आगे धरा तिराहे के पास समय 9:10 पर सुबह गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा गया गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रमुख रूप से उप निरीक्षक कौशलेंद्रबहादुर सिंह कांस्टेबल अभिषेक यादव कांस्टेबल धर्मेंद्र मौर्या की प्रमुख भूमिका रही।

जंघई-प्रयागराज महानगरीय बस सेवा भगवान भरोसे

जंघई। प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज द्वारा जंघई से प्रयागराज तक चलाई जाने वाली बसों की हालत दयनीय स्थिति में है।कब कहां खड़ी हो जाए यह बसें, भगवान भरोसे ही चल रही हैं बीच रास्ते में खराब हो कर खड़ी हो जाती हैं। शनिवार को करीब 11 बजे पेट्रोल टंकी जंघई से बस प्रयागराज जाने को तैयार खड़ी थी सवारी भी बैठी थी ड्राइवर जब गाड़ी स्टार्ट करने गया तो बस स्टार्ट नहीं हुई तो ड्राइवर एवं कंडक्टर तथा यात्रियों ने पीछे से जोर से धक्का लगाया तब कहीं जाकर बस स्टार्ट हुई और अपने गंतव्य स्थान प्रयागराज सिविल लाइन बस डिपो के लिए रवाना हुई तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली।

आवारा सांड एवं छुट्टे जानवरों को प्रधान द्वारा अस्थाई गऊशाला भेजा गया

जंघई। प्रधान सेमरी प्रमोद गुप्ता द्वारा ग्राम सभा में लोगों को मारकर लहुलुहान करने वाले आवारा सांड को अपने दर्जनों समर्थकों एवं सफाईकर्मियों के साथ बमुश्किल से पकड़ कर अस्थाई गऊशाला भेज दिया गया जिस पर लोगों ने राहत की सांस ली। गांव में जगह जगह फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले छुट्टे जानवरों को भी प्रधान एवं ग्रामीणों तथा सफाईकर्मियों द्वारा पकड़ कर वाहनों से गऊशाला में भेजा गया। प्रधान द्वारा जनहित कार्य की सभी ने सराहना किया एवं आतंक फैलाने वाले सांड को पकड़ने वाले लोगों को प्रधान द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया क्योंकि सांड ने जंघई कालोनी एवं कालेज परिसर तथा गांव के लोगों को चुटहिल कर चुका था।

बाढ़ से प्रभावित दर्जनों परिवार हुए बेघर तराई इलाके में बढ़ती जा रही मुसीबत

कंजासा गांव के घरों में भरा पानी

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। यमुना बाढ़ का पानी से घिरे आधा दर्जन गांवो में से सबसे बड़ी मुसीबत में कंजासा गांव के लोग है। कंजासा के दर्जनों घरों में पानी भर जाने से बेघर हो गए हैं। कोई प्रशासन द्वारा बनाए के आश्रलय में तो कोई आसपास के घरों में शरण लिए है। बाढ़ से प्रभावित होने के वजह से कमाई भी पूर्णतया बंद हो गया है। जिससे आर्थिक संकट से लोग झेल रहे हैं। पूरी बस्ती जलमग्न होने से नांव पर सवार होकर अपने घरों को देखने जाते हैं। प्रशासन ने भी पेयजल और भोजन की व्यवस्था की है। लगातार बढ़ते जल स्तर से तराई इलाके के लोगों की मुसीबत बढ़ता जा रहा है। साथ ही इरादतगंज, पालपुर, बसवार, सारीपुर, भीटा, देवरिया, मोहनी का पूरा, कैनुआ, विरवल भी बाढ़ के पानी से घिर गया है।

आफत में मवेशी : बाढ़ प्रभावित कंजासा गांव में बेघर हुए लोग किसी तरह बिता ले रहे है। लेकिन इन सब के मवेशी आफत में पड़ गए है। गौशालाओं और भुसैल में बाढ़ का पानी भर जाने से मवेशियो को खाने पीने के लाले पड़ गए हैं। खेतों में पानी भर जाने से हरे घास भी नहीं मिल पा रहा है। मवेशियों को चारे की व्यवस्था प्रशासन द्वारा भी नही किया गया है। जिससे पशुपालक परेशानी में हैं।

सब्जियों की खेती भी हो गई नस्टः

यमुना बाढ़ से इलाके के हजारों बीघे खरीफ की फसल सहित हरी सब्जियों की खेती जलमग्न हो सड़ गल रही है। जिससे लोगों को भारी आर्थिक क्षति भी हुई है।

गांव के बाहर से ही जायजा लेकर लौट जा रहे अधिकारी ग्रामीणों में आक्रोश

झूंसी। गंगा जमुना की बाढ़ की चपेट में आए गांव में लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। क्षेत्र में अब तक हजारो बीघे फसल जलमग्न हो चुकी है। जानवरो के लिए चारे की समस्या हो गई है। कई गांव की लाइट कटी है। लोग मोबाईल, इन्वर्टर की बैटरी चार्ज करने बोट से झूंसी आ रहे है वही बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेने पहुच रहे अधिकारी गांव के बाहर से ही लौट आ रहे है जिसकी वजह से लोगो में आक्रोश है। झूंसी के बदरा, सोनौटी, ढोलबजवा, शेरडीह, चकफातमा, तुलापुर, मुंशीपुरवा, कटका, पूरे सूरदास, दुर्जनपुर, मलावा खुर्द, मलावा बुजुर्ग, कोतारी, फिरोजपुर, गंजिया बाढ़ की चपेट में है। यहाँ हजारों पीछे से ऊपर धान की फसल जलमग्न हो चुकी है। कुछ इलाकों की हफ्ते भर से लाइट कटी हुई है। गांव में अंधेरा पसरा हुआ है गांव के आसपास जहरीले जंतु डेरा जमाए हुए हैं। जिसको देखकर लोगों में दहशत है। सोनौटी गांव के संदीप यादव ने बताया कि 2 साल पहले आई बाढ़ का जायजा लेने पहुंचे तत्कालीन जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने कहा था कि आगे अब जब भी बाढ़ आएगी तो बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में रात में जनरेटर के सहारे लाइट दी जाएगी जनरेटर तो दूर अभी तक शासन की ओर से मिट्टी के तेल भी मुहैया नहीं कराया जा सका। बेला यादव ने बताया कि एसडीएम फूलपुर व तहसीलदार क्षेत्र में चोरी छुपे आते है और फोटो खिंचवा कर चले जाते है। बाढ़ से परेशान लोगो से उनका कोई सरोकार नही है।

बाढ़ प्रभावित लोगों की बढी मुश्किलें नहीं मिल रही सुविधाएं...

करछना। रौद्र रूप धारण कर चुकी गंगा व टोंस नदी के जलस्तर में वृद्धि निरंतर जारी है। नदियों के बढ़ते जलस्तर के आगोश में अब तक करछना क्षेत्र के दर्जनभर संपर्क मार्ग व हजारों एकड़ फसल पूरी तरह से प्रभावित होकर चौपट हो गई हैं। वही मार्ग पर पानी आ जाने के कारण लोग नाव का सहारा लेकर आवागमन कर रहे हैं। क्षेत्र के कटका डेरा, ताला हथसरा,लटकहा, बबुरा, देहली आदि गांव बाढ़ के पानी से चौतरफा घिर चुका है। घंटा प्रति घंटा जिस तरह तेजी से नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है , उसे देख लोग भयभीत है। लोगों के मन में आशंका है कि अगर इसी तरह आगे भी एक-दो दिन नदियों के जलस्तर में वृद्धि निरंतर जारी रहा तो निश्चित रूप से 2013 जैसे तबाही का मंजर देखने को मिल सकता है। बाढ़ से घिरे कटका डेरा व हथसरा गांव की बिजली काट दी गई है। जिससे लोग रात के अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। वही बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन द्वारा राहत शिविर की व्यवस्था उपलब्ध न कराए जाने की बात कही। जिससे वह घर के छत पर सामान समेट कर रहने को मजबूर हैं। कटका डेरा गांव निवासी शोभनाथ निषाद, हीरामणि, नीरा देवी ने बताया कि बीते 4 दिनों से उनके घर में बाढ़ का पानी भर गया है। लेकिन अभी तक सुरक्षित स्थान तक उन्हें पहुंचाने व खाने पीने की सामग्री तक न तो ग्राम प्रधान और न ही तहसील प्रशासन के द्वारा व्यवस्था कराई गई है। उप जिलाधिकारी करछना रेनू सिंह ने बताया कि जो भी बाढ़ प्रभावित गांव है। वहां पर हल्का लेखपाल व कानूनगो को मौके पर भेजकर राहत शिविर की व्यवस्था कराई जा रही है। बाढ़ की वजह से जिस गांव की बिजली काटी गई है, उसकी रिपोर्ट तैयार कर ली गई है जल्द ही व्यवस्था करा दी जाएगी।

खबर संक्षेप

ट्रेन के आगे कूदकर अधेड़ ने दी जान,बीमारी से परेशान था

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में बीमारी से परेशान एक अधेड़ ने शनिवार को ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम कराना चाह पर परिजनो ने पीएम कराने से इंकार कर दिया। सुदनीपुर कला निवासी सुरेश कुमार भारतीया 53 शनिवार को दोपहर 2 बजे के करीब सुदनीपुर कला रेलवे क्रासिंग के पास ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दिया। सूचना पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची और लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा पर परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। परिजनों के आग्रह पर पुलिस ने लाश का पंचनामा भर परिजनों को शौंप दिया। पुलिस ने बताया कि सुरेश तीन साल से गले मे कैन्सर से पीड़ित था जिसके कारण आत्मघाती कदम उठा लिया। मृतक के दो लड़के है।

पत्नी का सिर और हाथ धड़ से अलग कर जमीन में दफनाया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पूरामुफ्ती में रविया (26) के हत्यारोपी उसके पति सलमान ने बेरहमी की हदें पार कर दी थीं। उसने गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसका सिर व हाथ काटकर धड़ से अलग कर दिया था। इसके बाद सिर व हाथ जमीन में दफना दिया था। उसे शनिवार को जेल भेज दिया गया। पति-पत्नी, दोनों मरियाडीह के रहने वाले थे। एक दिन पहले पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। इससे पहले उसकी ही निशानदेही पर मरियाडीह जंगल से कंकाल बरामद किया था।पूछताछ के दौरान उसने जो बताया, उसे सुनकर पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए। उसने बताया कि गला घोंटकर हत्या करने के बाद उसने पहचान छिपाने के लिए सिर काटकर धड़ से अलग कर दिया। साथ ही दोनों हाथ भी छूरे से काट दिए। इसके बाद धड़ को बोरे में भरकर झाड़ियों में फेंक दिया। जबकि सिर व हाथ पानी भरे गड्ढे के नीचे दफना दिए। कपड़ों को भी जला दिया। इसके बाद छूरे को पास ही स्थित अमरूद की बाग में मिट्टी व घास के नीचे छिपा दिया।

मृतक रविया की फाइल फोटो तथा पुलिस गिरफ्त में मृतक रविया का पति

मेहंदी से लिखा था नाम, इसलिए काटे हाथ

पुलिस ने जब उससे मृतका के हाथ काटने की वजह पूछी तो उसने बताया कि घटना से कुछ दिनों पहले उसने हाथों में मेहंदी रचाई थी। इसमें उसका नाम भी लिखा था। उसे डर था कि कहीं हथेली में नाम लिखा होने से उसकी पहचान न हो जाए।

बात-बात पर करती थी जलील

सलमान ने पूछताछ में बताया कि रविया से उसके प्रेम संबंध थे लेकिन वह उससे निकाह नहीं करना चाहता था। रविया के दबाव में ही उसे निकाह करना पड़ा। वह बात-बात में उसे जलील करती थी। मोहर्रम से पहले शॉपिंग के लिए चार हजार रुपये देने पर नोट उसके मुंह पर फेंकते हुए उसे भिखारी भी कहा था बात-बात पर ताना भी मारती थी। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर बरामद कंकाल से डीएनए सैंपल एकत्र किए हैं। इसे मृतका के परिजनों के डीएनए सैंपल से मिलान के लिए एफएसएल भेजा जाएगा।

– संतोष कुमार मीना, एसपी सिटी

बीएससी छात्रा से दरिंदगी मामले में मुंबई पहुंची पुलिस, थानेदार सस्पेंड

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। नाबालिग छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित पुनीत तिवारी की तलाश तेज कर दी है। उसके मोबाइल की लोकेशन मुंबई में मिलने के बाद पुलिस की एक टीम को वहां भेजा गया है। साथ ही उसके दूसरे साथियों को पकड़ने के लिए संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उधर, सामूहिक दुष्कर्म की बजाय सड़क हादसे का मुकदमा दर्ज करने आरोप में कौंधियारा थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह को एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने निलंबित कर दिया गया। उसके विरुद्ध विभागीय जांच भी बैठाई गई है।

मनमानी करने के बाद सड़क किनारे फेंक दिया था छात्रा को : पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता का मेडिको लीगल कराया जा चुका है। डाक्टरों की ओर से अभी रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही जांच को आगे बढ़ाते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कौंधियारा थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली 17 वर्षीय बीएससी की छात्रा से कुछ युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। साथ ही उसके नाजुक अंगों पर भी चोट पहुंचाने का आरोप है। 10 अगस्त की रात मनमानी करने के बाद युवकों ने किशोरी को सड़क किनारे फेंककर भाग निकले थे।

पुलिस ने सड़क हादसे का केस बनाकर दबा दी थी घटना : तब पुलिस ने किशोरी को मानसिक रूप से परेशान होने की बात कहते हुए सड़क हादसे का केस दर्ज किया था, लेकिन सच्चाई का पता नहीं लगाया था। इतना ही नहीं, पीड़ित परिवार की ओर से दी गई तहरीर पर रिपोर्ट नहीं लिखी थी।

पुलिस का कहना है कि मामले में पीड़िता का बयान भी बेहद अहम है। परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं की बढ़ोतरी की गई है। एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया कि एक टीम को मुंबई भेजा गया है।

जेवनियां चौकी क्षेत्र में चल रहा अवैध वसूली व कारोबार का धंधा

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। प्रदेश के पुलिस महकमे से वर्दी की धौंस और गरीब और कमजोर लोगों पर पुलिस की बर्बरता आम बात है।मेजा क्षेत्र की जेवनियाँ चौकी की वेखौफ पुलिस टीम विभागीय निदेशों को ताक पर रखकर वर्दी की आड़ में जमकर वसूली कर रही है।चौकी क्षेत्र में कुछ महीनों से वह सब कुछ हो रहा है जो महकमे के नजरिए से गैर कानूनी है।क्षेत्र के तदरिया निवासी भुवर निषाद ने जेवनियाँ पुलिस चौकी के सिपाहियों पर कई गम्भीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार शाम लगभग 7 बजे के करीब वह अपने परिवार के साथ घर पर था।उसी वक्त घर के सामने पुलिस की गाड़ी आकर रुकी। उस पर से पांच लोग बाहर आए, जिसमें तीन लोग पुलिस वर्दी में थे और दो व्यक्ति शादे कपड़े पहने हुए थे। यह सभी व्यक्ति पुलिस चौकी जेवनिया पर तैनात हैं।भुवर ने बताया कि इन सबको वह पहचानता है। सिपाही अमरनाथ सिंह व अनुराग पुलिस चौकी जेवनिया में सिपाही है वह सादी वर्दी में थे और घर में घुस गएऔर मां बहन की गालियां देने लगे। पत्नी व पुत्री द्वारा विरोध जताने पर उनको भी भद्दी भद्दी गालियां देने लगे। उसका दोष क्या है यह पुलिस बताये । भुवर ने बताया कि पुलिसिया तांडव यही नही रुका, वह लोग घर में घुसकर वहां रखें एक बॉक्स का ताला तोड़कर उसमें रखे पैसे जबरन निकाल लिए। उनके द्वारा घर के सामानों को तोड़कर अस्त-व्यस्त कर दिया गया।जाते जाते धमकी दी कि हम लोगों के खिलाफ कहीं कोई शिकायत करोगे तो तुम्हें फर्जी मुकदमे में फंसा कर जेल भेज देंगे।बतादें की चौकी जेवनियाँ क्षेत्र में कुछ महीनों से अवैध बालू खनन जोरों पर चल रहा है।रात के अंधेरे में बालू लदे ट्रैक्टर धड़ल्ले से निकलते है।क्षेत्र में कट्टा और गांजा कारोबारी सक्रिय हैं।चौकी प्रभारी प्रदीप अस्थाना पर आरोप लगाते हुए भुवर ने कहा कि आए दिन कमजोर और गरीब लोगों पर पुलिस वर्दी का धौंस दिखाकर वसूली कर रही है।उसने महकमे के अधिकारियों को लिखित जानकारी देकर कार्यवाई की मांग की है।

घास काटने गई किशोरी से दुष्कर्म की कोशिश, शिकायत

घूरपुर। शुक्रवार की शाम खेत में घास काटने गई एक दलित किशोरी के साथ गांव के ही एक युवक ने अश्लील हरकत करते हुए दुष्कर्म की कोशिश की। किशोरी के शोर मचाने पर आरोपी युवक धमकी देते हुए भाग गया। घर पहुंची किशोरी ने परिजनों से आप बीती बताई। पीड़िता अपनी मां के साथ थाने पहुंची और शिकायत की। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और आरोपी के घर पहुंच आरोपी के ना मिलने पर उसके पिता को उठा ले आई। शनिवार शाम तक दोनो पक्ष थाने में मौजूद रहे। क्षेत्र के एक गांव की दलित किशोरी शुक्रवार की शाम मवेशियों के लिए खेत मे घास काटने गई थी। इसी बीच खेत मे किशोरी को अकेले देख गांव का ही एक युवक किशोरी के साथ छेड़छाड़ करते हुए दुष्कर्म करने की कोशिश करने लगा।

किशोरी ने शोर मचाया तो आरोपी युवक मौके से भाग गया । डरी सहमी किशोरी घर पहुंची और आप बीती परिजनों को सुनाया तो सभी दंग रह गए । किशोरी को लेकर उसकी मां घूरपुर थाने पहुंची और मामले की शिकायत की । पुलिस आरोपी के घर पहुंची तो आरोपित युवक घर में मौजूद नहीं मिला। जिससे पुलिस आरोपी के पिता को थाने उठा ले आई । शनिवार के दिन दोनो पक्ष थाने में देर शाम तक डटे रहे। बताया जाता है कि थाने में पीड़ित पक्ष से सुलह समझौता कराया जा रहा था। समाचार लिखे जाने तक केस दर्ज नहीं हुआ था।

बाढ़ पीड़ितों को एनडीआरएफ ने किया राहत सामग्री का वितरण

बाढ़ में फंसे लोगों को राहत सामग्री का वितरण करते एनडीआरएफ टीम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदी में आई बाढ़ के वजह से जिले में कई स्थानों पर भयानक स्थिति उत्पन्न हो गयी है । जिससे लोग अपने घरों को छोड़कर राहत शिविर में जाने को मजबूर हो गये हैं । इसी सन्दर्भ में जिले में तैनात एन डी आर एफ कि टीम लगातार राहत बचाव और राहत सामग्री वितरण के कार्य में लगी हुयी है । 11 वाहिनी एन डी आर एफ के टीम कमांडर ब्रिजेश कुमार तिवारी ने बताया कि एन डी आर एफ कि टीम हरसंभव प्रयास कर रही है कि ज्यादा से ज्यादा लोग जो बाढ़ में अपने घरो में फंसे हुए हैं उनको सुरक्षित स्थानों/राहत शिविरों तक पहुँचाया जाये। टीम लगातार बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों में जाके बता रही है कि अभी और दो- तीन दिनों तक जिले में पानी बढ़ने कि संभावना है इसलिए लोग अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों/सुरक्षित स्थानों पर चले जाये जिसमे एन डी आर एफ की टीम हर तरह से आपकी मदद के लिए तैयार है ।शनिवार को इसी क्रम में जिला प्रशासन से मिली सुचना के अनुसार एन डी आर एफ के टीम कमांडर इंस्पेक्टर ब्रिजेश कुमार तिवारी और उनकी टीम तथा सिविल डिफेंस के साथ मिलकर जिले के चांदपुर सलोरी स्थान से 06 लोगों का रेस्क्यू कर उनको सुरक्षित निकाल कर राहत शिविर में भेजने का कार्य किए । उसके उपरांत योगेश कुमार मौर्य जी जिले के बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों में एन डी आर एफ बोटों से बाढ़ राहत सामग्री वितरण का कार्य किये तथा अपने घरों को छोड़कर राहत शिविरों में जाने का आग्रह किये।

जान जोखिम में डाल शास्त्री पुल से गंगा में छलांग लगा रहे युवक

झूंसी। किस भी खतरे से अंजान कुछ युवक अपनी व परिवार की चिंता किये बगैर उफनाई गंगा में शास्त्री ब्रिज से मजे के लिए छलांग लगा रहे है। जिसका वीडियो भी बना कर सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। इस समय गंगा यमुना अपने रौद्र रूप में है और खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। बाढ़ से हर तरफ हाहाकार मचा है। हजारो लोग बाढ़ की वजह से अपना घर छोड़ शरणार्थी बने हुए हैं और गंगा यमुना के जल को कम होने की दुआ कर रहे है। ऐसे में कुछ युवक व किशोर अपनी जान जोखिम में डाल कर उफनाई गंगा में खतरनाक स्टंड कर रहे है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कुछ युवक शास्त्री पुल पर से उफनाई गंगा में छलांग लगा कर मस्ती कर रहे है। वीडियो वायरल होने के बाद किसी ने पुलिस अफसरों को ट्वीट कर शिकायत भी की है।

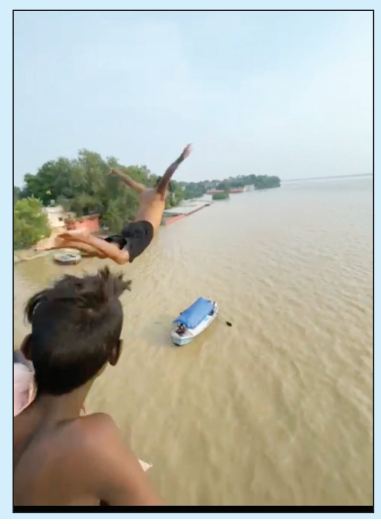

अध्यापक-अभिभावक बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

संविलियन विद्यालय मुबारकपुर

प्रयागराज। शासन की मंशा के अनुसार शिक्षण प्रक्रिया को उन्नयन बनाने एवं अध्यापकों-अभिभावकों के सम्बन्ध को प्रगाढ़ करने के दृष्टिकोण से संविलियन विद्यालय मुबारकपुर के मीटिंग हॉल में प्रधानाध्यापक नीरज सिंह के नेतृत्व में अध्यापक-अभिभावक बैठक(पी टी एम)सम्पन्न हुई। बैठक का शुभारंभ सरस्वती वन्दना के साथ किया गया। इस अवसर पर एआरपी प्रभाशंकर त्रिपाठी ने अभिभावकों से अपील किया कि शासन द्वारा भेजी गई धनराशि का उचित इस्तेमाल करते हुए बच्चों को हर हाल में ड्रेस, स्वेटर, स्कूल बैग एवं जूता-मोजा क्रय किया जाए। प्रधानाध्यापक नीरज सिंह ने निपुण भारत के तहत किए जा रहे प्रयास को विस्तार से बताया तथा निपुण भारत के लक्ष्य की एक एक प्रति अभिभावकों को वितरित किया। ग्रामप्रधान रितादेवी ने ऑपरेशन कायाकल्प के तहत मूलभूत सुविधाओं पर चर्चा किया। अध्यापक अवधेश त्रिपाठी ने डी बी टी में आ रही समस्या के समाधान पर बात किए।इस अवसर पर एस एम सी अध्यक्ष रामपूजन ने एस एम सी की नियमित बैठक एवं कार्यवृत के बारे में विस्तार से चर्चा किए। अभिभावकों की तरफ से ओम प्रकाश पटेल एवं सुरेन्द्र प्रजापति के उतपन्न सन्देह को मन्जू देवी ने दूर किया। बैठक में विद्यालय के अध्यापकगण अभिषेक मिश्रा, संगीता, रश्मि शर्मा, आशा देवी ने अपने अपने कक्षा के बच्चों की डीबीटी स्थिति से अभिभावकों को अवगत कराया। अभिभावकगण में संगम लाल, बसन्त लाल पटेल, अशोक कुमार, लालता प्रसाद कोटेदार, मुन्नीलाल, सूरज मौर्या, सुनीता, शंकर लाल, सरिता देवी, दस्सी देवी, निर्मला, अनिता, राजेन्द्र सरोज, राशिद हुसैन आदि उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाध्यापक नीरज सिंह ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया एवं जलपान ग्रहण कराया।

स्कूल में घुसकर महिला प्रधानाचार्य से बदसलूकी, फाइनेंस कंपनी के मैनेजर पर दर्ज हुआ केस

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर में स्कूल में घुसकर महिला प्रधानाचार्य से बदसलूकी करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। भयभीत प्रधानाचार्य ने धूमनगंज थाने में टाटा मोटर्स फाइनेंस कंपनी के मैनेजर व महेंद्र चौधरी सहित कुछ अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस छानबीन कर रही है।

मोबाइल पर बोला- पैसा न मिला तो अनजाम बुरा होगा : बताया गया कि प्रीतम नगर जयंतीपुर निवासी मनीषा पांडेय लार्ड बुद्धा कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्य हैं। उनका आरोप है कि तीन दिन पहले एक अनजान नंबर से मोबाइल पर काल आई। कालर ने अपना नाम महेंद्र चौधरी बताया और स्कूल द्वारा टाटा मैजिक की किस्त जमा न करने जिक्र करते हुए अभद्रता की। विरोध करने पर धमकी दी। यह भी कहा कि शाम पर पैसा न मिला तो अनजाम बहुत बुरा होगा।

आरोप कि सादा पेपर पर प्रधानाचार्य के फर्जी हस्ताक्षर थे : प्रधानाचार्य ने पुलिस को यह भी बताया कि एक मोटर्स फाइनेंस कंपनी के मैनेजर कुछ दिन पहले अपने तीन सहकर्मियों के साथ स्कूल आए थे। उन्होंने किस्त जमा करने को कहा, तब प्रधानाचार्य ने बैंक की सभी रसीद दिखाई। हालांकि कंपनी के कर्मचारियों ने एक सादा पेपर दिखाया जिसमें प्रधानाचार्य के फर्जी हस्ताक्षर थे, यह जान वह अचरज में पड़ गईं। मनीषा का आरोप है कि कंपनी के कर्मचारियों ने उनसे बदसलूकी करते हुए गाड़ी व स्कूल में आग लगाने की धमकी दी। इस घटना से वह काफी परेशान हैं।इस संबंध में इंस्पेक्टर धूमनगंज राजेश मौर्या का कहना है कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट लिखकर जांच की जा रही है।

न्यूज झरोखा

जहरीली गैस से मृतक नवयुवकों के परिवार को मुवावजा मिलें : उज्जवल

करछना। पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह ने पीड़ित परिवार के आवास पर जाकर संतावना व्यक्त करते सरकार से मुआवजा देने की मांग की है हुए बता दें कि शुक्रवार को करछना तहसील क्षेत्र के लटकहा गांव में दो परिवारों के बीच दो युवकों की बोरवेल में मोटर निकालने के दौरान कुएं में जहरीली गैस से मौत हो गई थी जिसको लेकर पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक करछना उज्जवल रमण सिंह ने उपजिलाधिकारी करछना से वार्ता कर लकटहा तरहार के कुएँ जहरीली गैस से मृतक आशु पुत्र रामसिंह व शिवाकांत पुत्र विजय लाल के पीड़ित परिवार को एक एक आवास व 4-4 लाख दैवीय आपदा सहायता के तहत आर्थिक सहायता दें सरकार सपा जिलाउपाध्यक्ष विनय कुशवाहा ने बताया कि पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह ने प्रशासन से मांग किया है कि बाढ़ पीड़ितों कि हर सम्भव तत्काल सहायता मुहैया कराया जाये डूब क्षेत्र में फसलों की हुई नुकसान का सर्वे कराकर किसानों की आर्थिक मदद दिया जाय। साथ में जिलापंचायत सदस्य डा. पप्पू यादव, राजेश्वर यादव, रामानंद,बरछी बहादुर, माधव यादव, वासुदेव यादव ,मुनेश विश्वकर्मा आदि रहे।

महिला का सिर फोड़ा जान से मारने की दी धमकी

घूरपुर। क्षेत्र के सारंगापुर में एक युवक ने महिला को मारपीट कर सिर फोड़ दिया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता थाने पहुंच शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के बैरिया छतरगढ़ नारीबारी निवासी पूजा निषाद (30) पत्नी राजेश निषाद घूरपुर के सारंगापुर बाजार में किराए का कमरा लेकर अपने पति और बच्चों संग रहती है। शनिवार की सांयकाल किसी बात को लेकर पड़ोस का एक दबंग युवक महिला के घर पर चढ़ भद्दी भद्दी गालियां देने लगा। विरोध करने पर डंडे से उसका सिर फोड़ दिया। और जान से मारने की धमकी देते चला गया। पीड़िता थाने पहुंच नामजद शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इलाज के लिए महिला को अस्पताल भेज मामले की छानबीन कर रही है।

राष्ट्रीय एकता मंच ने प्रदेश सचिव का किया गया स्वागत

झूंसी। आंबेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के प्रदेश सचिव अखिलेश कुमार राकेश का महमूदाबाद में भव्य स्वागत किया गया। डॉ.अंबेडकर राष्ट्रीय एकता मंच के राष्ट्रीय एकता मंच द्वारा अखिलेश कुमार राकेश को प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश बनाए जाने पर ग्राम मामूराबाद झूंसी में कार्यकताओं ने माला अपना कर स्वागत किया इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी फूलपुर अमरनाथ, ओमप्रकाश भारतीय, भास्कर पासवान, एडवोकेट विनय कुमार, राम नरेश पासवान, विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

मुख्तार अंसारी की पत्नी के खिलाफ लुकआउट नोटिस, विदेश भागने की आशंका पर ईडी ने की कार्रवाई

अखंड भारत संदेश

भाई समेत पांच को जारी हुआ है समन

ईडी की ओर से पांच दिन पहले ही अफ्शा अंसारी के भाई आतिफ रजा समेत पांच को समन भेजा गया है। आतिफ रजा लखनऊ के डॉलीबाग में रहता है। इसके अलावा अन्य में माफिया के एक और बेहद करीबी शादाब अहमद निवासी विभूतिखंड, लखनऊ मुश्ताक खान, विक्रम अग्रहरि और गणेश दत्त मिश्रा निवासी गाजीपुर हैं। मुख्तार के मददगारों पर शिकंजा कसने के क्रम में ईडी ने पिछले दिनों जिन नौ लोगों के ठिकानों पर छापा मारा था, उनमें इन पांचों का नाम शामिल है।

प्रयागराज। बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी के साथ-साथ उसके परिवार और अन्य करीबियों पर शिकंजा कसने के क्रम में एक बड़ी कार्रवाई हुई है। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने उसकी पत्नी अफ्शा अंसारी के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। उनके विदेश भागने की आशंका में यह कार्रवाई की गई है। ईडी प्रयागराज की टीम मौजूदा समय में मुख्तार पर दर्ज मनी लांड्रिंग मामले की जांच में जुटी है। इस मामले में उसकी पत्नी की भी जांच चल रही है। ईडी की टीम उससे पूछताछ की तैयारी में है। आशंका है कि वह पूछताछ से बचने के लिए विदेश भाग सकती हैं। ऐसे में उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। मनी लांड्रिंग केस दर्ज करने के लिए जिन तीन मुकदमों को आधार बनाया गया, उनमें से एक में अफ्शा अंसारी के नाम पर अनुसूचित जाति के लोगों की जमीन जबरन लिखवाने का भी आरोप है। इसी के तहत ईडी की टीम उनसे भी पूछताछ कर सकती है।

चौकी प्रभारी तथा लेखपाल सहित कई अन्य के खिलाफ कार्यवाई कराने के लिए महिलाओं ने थाने में दिया धरना

घूरपुर। क्षेत्र के हथिगन के खटखट चौराहे पर स्थित एक घर को जेसीबी से गिराए जाने को लेकर नाराज पीड़ित पक्ष दर्जनो महिलाओं को लेकर शनिवार के दिन घूरपुर थाने पहुंचे। इस बीच पीड़ित पक्ष ने चौकी प्रभारी,लेखपाल समेत ग्राम प्रधान व अन्य कई के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की । महिलाओं को पुलिस समझाने के प्रयास में लगी रही। घूरपुर थाना क्षेत्र के हथिगन पुलिया के पास स्थित बलापुर गांव के खटखट चौराहे पर गांव के ही खटखट का विगत बीस वर्ष पूर्व से घर बना हुआ था । विगत 16 की रात में उक्त आवास को जेसीबी से ढहा दिया गया । जिसे लेकर खटखट पक्ष के लोगों ने चक्का जाम कर बवाल काटा था । मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों ने उग्र लोगो को समझा बुझाकर दोषी लोगों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया था । जब दोषियों के विरुध्द कार्रवाई नहीं हुई तो शनिवार के दिन पीड़ित खटखट पक्ष की दर्जनों महिलाओं समेत अन्य कई लोग थाने पहुंच गए और करमा चौकी प्रभारी ,लेखपाल सहित ग्राम प्रधान के खिलाफ घर गिराए जाने के आरोप में कैस दर्ज कराए जाने की मांग करते हुए अड़े रहे।

सिपाही प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाता है बच्चों को

विभागीय शिक्षकों की कमी को देखते हुए सिपाही आया सामने

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह। उत्कृष्ट शैक्षिक गतिविधियों के लिए जनपद में चर्चित उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह में पंजीकृत छात्र संख्या 336 है जिन्हें पढ़ाने के लिए सिर्फ तीन शिक्षक कार्यरत हैं। निवेदन के बावजूद विभागीय अधिकारी मानक को लगातार नजर अंदाज कर रहे हैं। शिक्षकों और छात्रों के सहयोग में बगल के पुलिस चैकी का एक सिपाही आगे आया है और वह बच्चों को नियमित पढ़ा रहा है।

सिपाही द्वारा बच्चों को पढ़ाये जाने का मामला सामने आने पर भी षिक्षा अधिकारियों की आंख खुलेगी कि नही, यह तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन इतना जरुर है कि बच्चों को षिक्षा देने के लिये हर बुद्विजीवी भी सामने आ जाते

प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पढ़ाता पुलिस चौकी का सिपाही।

हैं। सिपाही की पढ़ाई से बच्चे खुश हैं इसलिये वह बच्चों को स्कूल आकर नियमित पढ़ाने लगा है। शिक्षकों की कमी से बाधित हो रही बच्चों की पढ़ाई को देखते हुए प्रधानाध्यापक मुहम्मद फरहीम के निवेदन पर सेवानिवृत्त शिक्षक अजीत प्रताप सिंह प्रतिदिन एक घण्टे निःशुल्क पढ़ाते हैं। इन्हीं के साथ विद्यालय के बगल स्थित पुलिस चैकी में कार्यरत सिपाही राजीव यादव भी बच्चों की समस्या को देखते हुए रोज एक घण्टे बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के अच्छे छात्र रहे राजीव यादव के पढ़ाने की कला से बच्चे प्रभावित हैं। सिपाही के इस सहयोग की क्षेत्र में भी प्रशंसा हो रही हैं। इससे बच्चों में पुलिस की सकारात्मक छवि का भी सृजन हो रहा है।

एटीएम से फ्रॉड कर पैसा निकालने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के थाना लीलापुर के उ0नि0 जय किशुन यादव मय टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के बाबूगंज बाजार स्थित इण्डिया नं0-1 एटीएम बूथ के पास से एक व्यक्ति शुभम जायसवाल उर्फ कल्ला पुत्र पप्पू जायसवाल निवासी डीहमैंहदी थाना लीलापुर, जनपद प्रतापगढ़ को विभिन्न बैंको के 11 अदद एटीएम कार्ड के साथ गिरफ्तार किया गया।इस संबंध में थाना लीलापुर में मु0अ0सं0 36/2022 धारा 411, 419, 420 भादंवि का अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त द्वारा पूछताछ में बताया गया कि मैं लोगों को झांसा देकर उनका एटीएम कार्ड/

विभिन्न बैंको के 11 अदद एटीएम बरामद

डेबिट कार्ड बदल लेता हूं व उनका कोड जानकर फर्जी तरीके से एटीएम से पैसा निकाल लेता हूं। मैं ऐसे एटीएम बूथ को देखता हूं जहां गार्ड न हो व पैसा निकालने वालों की भीड़ रहती हो, फिर वहां ऐसे लोगों को निशाना बनाता हूं जो देखने में सीधे-साधे या ग्रामीण परिवेश के लगते हों, ऐसे लोगों के बगल में खड़े होकर बहाने से उनका एटीएम कार्ड लेकर अपने पास लिए एटीएम कार्ड से बदलकर उनका पिन जानकर दूसरे एटीएम से पैसा निकाल लेता हूं।

माइनर में मिली युवती की लाश

पट्टी, प्रतापगढ़। शारदा सहायक खंड-36 की सहायक नहर में शनिवार की सुबह ग्रामीणों ने एक शव देखा जिससे थोड़ी देर में वहां भीड़ इकट्ठा हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई लेकिन तब तक शव बहकर जौनपुर जनपद के एरिया में चली गई। पट्टी तहसील में शारदा सहायक खंड 36 से लगी हुई एक माइनर बंधवा बाजार के समीप सलाहपुर बेसार होते हुए जौनपुर जनपद चली जाती है। शनिवार की सुबह 6 बजे शौच के लिए गए पिंटू मौर्य और अतुल यादव ने देखा कि एक शव नहर में बह रहा था। इसकी सूचना मिलते ही थोड़ी देर में कई ग्रामीण इकट्ठा हो गए और पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन नहर में पानी का बहाव अधिक होने के कारण बहते हुए आगे जौनपुर की सीमा में चली गई।

समाधान दिवस में लेखपालों की लापरवाही पर बिफरे एसडीएम, संयुक्त टीमों का हुआ गठन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय कोतवाली में थाना समाधान दिवस में एसडीएम व सीओ ने फरियादियों की शिकायतों की सुनवाई की। पन्द्रह शिकायतों मे अफसरों ने तीन शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया। वहीं ज्यादातर शिकायतें जमीनी विवाद तथा कहासुनी को लेकर देखी गयी। शिकायतों की सुनवाई करते हुए एसडीएम सौम्य मिश्र ने राजस्व तथा पुलिस टीम को सम्बन्धित मामलों में दो दिन के अंदर मौके के निरीक्षण के निर्देश दिये। वहीं सीओ रामसूरत सोनकर ने शांति व्यवस्था से जुडे मामलों की सुनवाई करते हुए सम्बन्धित दरोगाओं को दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई के निर्देश दिये।

लालगंज कोतवाली में समाधान दिवस मे शिकायतों की सुनवाई करते अफसर

समाधान दिवस में कुछ लेखपालों के मौजूद न मिलने पर एसडीएम ने नाराजगी जताई। पिछले समाधान दिवस में जमीनी विवाद से जुडे कुछ मामलों मे लेखपालों द्वारा आख्या न दिये जाने पर एसडीएम ने उन्हें सूचीबद्ध कर तहसीलदार को स्पष्टीकरण लेने को कहा है। समाधान दिवस में अतिरिक्त सीओ अमरनाथ गुप्ता ने भी शिकायतों की सुनवाई की। प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने समाधान दिवस का संयोजन किया।

तालिबानी सजा देने के आरोपियों पर अब तक नही हुई कार्रवाई, दोनो को बचाने में जुटी पुलिस

प्राथमिक विद्यालय डगरारा परिसर में पेड़ से बांध गया था बाइक चोर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय पुलिस घटना के सप्ताह भर बीत जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं कर सकी है। वह बाइक चोर के साथ ही स्कूल परिसर में पेड़ से बांधकर प्रताड़ित करने वालो को भी बचाने के प्रयास में जुटी हुई है।

स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के डगरारा स्थित प्राथमिक विद्यालय के एक शिक्षक की खड़ी बाइक को 18 अगस्त को एक चोर लेकर भागने का जैसे ही प्रयास कर रहा था की शिक्षको ने ग्रामीणों की मदद से उसे पकड़ लिया और लोगो ने उसे स्कूल परिसर में एक पेड़ से बांध कर प्रताड़ित किया। उसके बाद किसी ने तालिबानी की तरह घटना का वीडियो बनाकर शोसल मीडिया पर डाल दिया।वही घटना की सूचना किसी ने पुलिस को भी दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपी युवक को बंधक मुक्त कराकर थाने ले गई। घटना के लगभग सप्ताह भर बीत जाने के बावजूद पुलिस ने अब तक ना तो बाइक चोर के विरुद्ध कोई कार्रवाई की और ना ही स्कूल परिसर के अंदर पेड़ से बांधकर तालिबानी सजा देने वालों के विरुद्ध कोई कानूनी कदम उठाया गया। पुलिस के इस कारनामे की चारों तरफ चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में कोतवाल से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन कोई जबाब नहीं मिला।

पेड़ से बंधे युवक को ले जाती पुलिस।

अण्डर-14 बालक वर्ग में प्रखर सोमवंशी रहे अव्वल

जिला स्तरीय विद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला स्तरीय विद्यालयीय खेलकूद प्रतियोगिता जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में शनिवार को जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ में पूर्वान्ह 11 बजे जिला स्पोर्ट अफसर पूनम राज के द्वारा प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त कर किया।

इस प्रतियोगिता में बेसिक के अंडर 14 के आठ ब्लाकों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया व माध्यमिक से 10 विद्यालयों के बच्चो ने प्रतिभाग किया। अंडर 19 के कोई भी बालक वर्ग में प्रतिभागी उपस्थित नहीं हुए, जिसमे यूपीएस कल्याणपुर सांडवा चंद्रिका के अंडर 14 बालक वर्ग में प्रखर शोमवंशी क्लास 8,

स्टेडियम मे मौजूद विजयी छात्र व शिक्षकगण।

देवांश मिश्र क्लास 7, सौम्य मिश्र क्लास 8 के बच्चों ने डबल्स व सिंगल में कठिन संघर्ष से जीत दर्ज की। अंडर 14 बालिका वर्ग में बेसिक से यूपीएस कटरा गुलाब सिंह मान्धाता की शालिया बनो क्लास 8, माहिया अंसारी क्लास 7, सिमरन क्लास 8 ने सिंगल व डबल्स दोनो में जीत दर्ज की। टेबल टेनिस बालक एवं बालिका वर्ग सिंगल व डबल्स में बेसिक से उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह मांधाता की आन्या विश्वकर्मा फायजा खान, माहिया अंसारी, मोहम्मद मुनीर अंसारी सत्यम पटेल ने जीत दर्ज की। राजकीय बालिका इंटर कालेज प्रतापगढ़ की अंडर 19 में निदा बनो क्लास 12, नीतू पाल क्लास 11, अंकिता कुमारी क्लास 11 ने सिंगल्स व डबल्स में जीत दर्ज की। इस मौके पर राम कुमार सिंह जिला व्यायाम शिक्षक प्रतापगढ़, सुशील सिंह जिला स्काउट मास्टर प्रतापगढ़, मंजू सिंह जिला व्यायाम शिक्षिका प्रतापगढ़, सुदीप पांडेय ब्लाक व्यायाम शिक्षक सांडवा चंद्रिका, शैलेश मिश्र स0अ0, अजमत उल्लाह अंसारी, रमा पांडेय खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र, मोहम्मद फरहीम राज्य अध्यापक पुरस्कृत निर्णायक की भूमिका में रहे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने सभी विजयी बच्चों को बधाई दी।

अव्यवस्था से नाराज महिलाओं ने स्टेशन पर किया हंगामा

एसएस के चैंबर में घुसकर जमकर खरी खोटी सुनाई

प्लेटफार्म पर बंद था पंखा, वेटिंग हाल से आ रही बदबू, इंक्वायरी काउंटर से नदारद था स्टॉफ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन फैली अव्यवस्थाओं से नाराज महिला यात्रियों ने शनिवार को प्लेटफॉर्म पर जमकर हंगामा किया। चैंबर में घुसकर स्टेशन अधीक्षक को खूब खरी खोटी सुनाई। खुद की फजीहत होती देख अधीक्षक चैबर से बाहर निकल आए लेकिन महिलाओं ने उनका पीछा नहीं छोड़ा। स्टेशन पर आधे घंटे तक अफरातफरी मची रही। पंजाब मेल ट्रेन के जाने के बाद ही मामला शांत हो सका। रेल कर्मियों ने राहत की सांस ली।

बनारस जाने वाली पंजाब मेल ट्रेन के यात्री प्लेटफॉर्म पर बैठे थे। उस समय पंखा नहीं चल रहा था। लोग उमस और गर्मी और बेहाल थे। राहत पाने के लिए कुछ महिला यात्री सेकेंड क्लास के वेटिंग हाल में गई। अंदर का वातारण बदबूदार होने से वे बाहर निकल आई और तमतमई सीधे स्टेशन अधीक्षक के चैंबर में घुस गई और सफाई न होने का आरोप लगाते हुए खरी खोटी सुनाई। अधीक्षक शमीम उनसे कुछ कहना चाह रहे थे लेकिन बात नहीं बनी। भीड़ इकट्ठी होती देख एसएस खुद बाहर निकल आए। उन्होंने महिलाओं को बताया की सफाई हुई है। लाइट नहीं है। इकजास्ट फैन नहीं चल रहा है। जिससे बदबू बाहर निकल नहीं पा रही है। हंगामा होता देख और भी यात्री महिलाओं के समर्थन में आ गए। उन्होंने भी एसएस को निशाने पर ले लिया। इंक्वारी काउंटर पर भी कोई स्टाफ नहीं था। इसके लिए भी एसएस को दोषी ठहराया गया। इस तरह से पहली बार सबके सामने एसएस को शर्मिंदा होना पड़ा। अपमान से तिलमिलाए एसएस ने इलेक्ट्रिक एसएसई को जमकर खरी खोटी सुनाई। आरोप लगाया कि उनकी वजह से यह सब हुआ है।

चक मार्ग पर कब्जा होने से परेशानी

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी तहसील क्षेत्र के राजापुर मुफरीद गांव में चक मार्ग पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा करने से पीड़ित शिकायती पत्र देते देते परेशान हो चुका है। शनिवार को उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर पीड़ित ने आत्महत्या की चेतावनी दी है।

रेलवे लाइन में उतरा करंट, जान बचा भागे कर्मचारी

सई पुल पर ट्रैक बदलने के दौरान की घटना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सई नदी पुल पर ट्रैक बदलने के दौरान हो रही तेज बारिश के बीच पटरी पर अचानक करंट उतरने से काम कर रहे कर्मचारियों

एक घंटे तक खड़ी रही काशी, पद्मावत, इन्टर सिटी, साकेत

में दहशत फैल गई और वे काम छोड़कर जान बचाने के लिए वहां से भाग गए। करीब एक घंटे बाद स्थिति सामान्य होने के बाद वे दुबारा काम पर लौटे। इस बीच करंट की सूचना से हड़कंप मच गया। उस समय पुल से गुजरने वाली करीब छः ट्रेनों को आनन फानन में प्रतापगढ़ और चिलबिला स्टेशन पर रोक दिया गया।

सई नदी रेलवे पुल पर इन दिनों ट्रैक बदलने का काम तेजी से चल रहा है। गुरुवार को भी मजदूर लगे थे। बताया जाता है कि शाम को तेज बारिश शुरू हो गई। लेकिन मजदूरों ने काम नहीं बंद किया। क्योंकि ब्लाक लेने का समय समय समाप्त हो रहा था। इसी बीच कर्मचारियों को रेलवे लाइन छूने पर बिजली के करंट का अहसास हुआ। उन्हें झटका लगा। उन्हीं के किसी साथी ने चिल्ला दिया कि पुल पर करंट उतर आया है। यह सुनते ही मजदूर लाइन छोड़कर भागने लगे। पीडब्लूआई जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्होंने फौरन इस बारे में कंट्रोल को जानकारी दी। जब तक बारिश बंद नहीं हुई। कोई भी कर्मचारी ट्रैक पर नहीं आया। सूचना मिलने पर रास्ता साफ न होने की दशा में ट्रेनों को रोकना पड़ा। इस दौरान दिल्ली जा रही पद्मावत एक्सप्रेस, काशी विश्वनाथ को प्रतापगढ़ और इन्टर सिटी और साकेत एक्सप्रेस चिलबिला में रूकी रही। बारिश बंद होने के बाद मजदूरों ने पुल को दुबारा चेक किया। झटका न लगने पर काम शुरू किया। शाम को पांच बजे के बाद ट्रेनों का संचालन बहाल हो पाया। सवाल उठता है कि करंट उतरा कहां से। काम करने वाले मजदूरों ने बताया कि हो सकता हो बिजली के पोल से उतरा हो। टीआरडी एसएसई ने करंट उतरने की बात को खारिज कर दिया। सिग्नल सिस्टम से भी कभी कभी ट्रैक में करंट जैसा झटका लगता है। लेकिन विभाग के एसएसई ने भी इससे इंकार कर दिया। एसएस ने बताया कि इंजीनियरिंग विभाग वालों ने ब्लाक लिया था। जिससे ट्रेन रूकी रही। हालांकि करंट उतरा कहां से यह बात पता नहीं चल पाई है। इस बारे में पीडब्लूआई भी ज्यादा नहीं बता पाए। उनका कहना है करंट का झटका लगने वाली बात सही है। जिसको काम कर रहे मजदूरों ने उन्हें बताई थी। उन्होंने भी महसूस किया था। अगर वास्तव में ट्रैक में बिजली का ही करंट दौड़ रहा था तो उस समय गुजरने वाली ट्रेनों के मुसाफिर भी इसकी चपेट में आ सकते थे। यह जांच का विषय है। जानकर बताते हैं कि वैसे भी बारिश के मौसम में कभी कभी करंट जैसा झटका लग जाता है। जो आम बात है। इसमें खतरा जैसी बात नहीं है।

खेत में बकरी जाने के विवाद में महिला को पीटा

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। खेत में बकरी जाने के विवाद को लेकर पड़ोसी आरोपियों ने एक महिला को मारपीट कर जख्मी कर दिया जिससे महिला बेहोश हो गई। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के नेवादा गांव की रहने वाली शैरून निशा पत्नी शमशेर का आरोप है कि शनिवार की दोपहर 12 बजे उसके खेत में पड़ोसी महिला की बकरी चली गई बकरी हटाने के लिए जब उसने कोशिश किया तो पड़ोसी महिला और उसकी बेटी ने लाठी-डंडों से तथा सरिया से पीटना शुरू कर दिया। सिर में अधिक चोट आने के कारण महिला बेहोश हो गई।

कालाकांकर ऐंठू में वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत वितरण हुआ पौधा

संगोष्ठी में किसानों को दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। सक्षम फाउंडेशन, कालाकांकर प्रतापगढ़ द्वारा शनिवार को अवधेषपुरम (ऐंठू) में बृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौध वितरण कार्यक्रम में फलदार जैसे आम, अमरूद, बेल, पपीता एवं जामुन तथा वानिकी में नीम एवं अषोक के पौधों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए दिव्य ज्योति सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ0 रणजीत सिंह ने सर्वप्रथम कार्यक्रम में आये हुए लोगों का अभिवादन कर 11 पौधों का रोपण करके उसकी रक्षा करने की शपथ दिलाई। डॉ सिंह ने कहा कि यूँ तो हम वृक्षारोपण, वृक्ष लगाने जैसे शब्दों का समर्थन करते है, किन्तु एक कदम आगे आकर वृक्षारोपण करने की नहीं सोचते, हम इतना भी नहीं सोचते कि यदि प्रति व्यक्ति 5-5 पौधे लगाये तथा उसको पेड़ बनते तक देखभाल करें तो, ग्लोबल वार्मिंग का दंश झेल रहा भारतवर्ष और पूरा विश्व एक पूर्ण सुव्यस्थित पर्यावरणीय शुद्ध वातावरण व्याप्त हो जायेगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल 2-4 लाख लोगों की मौत का कारण सीधे-सीधे वायु प्रदुषण है, जबकि इनमें से 1-5 लाख लोग आंतरिक वायु प्रदुषण से मारे जाते हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ नवीन कुमार सिंह ने वृक्षारोपण से होने वाले फायदों के बारे में बताया उन्होंने कहा कि वृक्ष से केवल और केवल लाभ ही होता है। वृक्ष, वातावरण मे फैली दूषित वायु को शुद्ध करता है। वर्षा ऋतु में वर्षा वायु को रोकता है, जिससे वर्षा की सम्भावना अधिक होती है । कृषि विज्ञान केन्द्र के फार्म मैनेजर श्री प्रदीप सिंह ने कहा कि सक्षम फाउंडेशन बहुत ही अच्छा काम कर रहा है तथा सामाजिक जागरूकता में यह संस्था महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर सक्षम फाउंडेशन के स्वयंसेवक मनीश सिंह, राजकुमार गुप्ता, संग्राम सिंह, ज्ञानेन्द्र सिंह एवं आस-पास गॉवों के जागरूक किसान मनोज विश्वकर्मा, महेश यादव, सोमेश मौर्य, हेमराज, अरूण शुक्ला, रविशंकर, फूलचन्द्र, श्रीकेश यादव, राम आसरे, सीताराम, मस्तराम सरोज, कल्पना मिश्रा, क्रान्ति मौर्या, सदुल्ला, गीता, अनीता आदि लोग उपस्थित रहे।

किसानों को पौधा वितरित करते अतिथिगण।

सतीश चंद्र शुक्ल की पुण्यतिथि पर मरीजों को बांटे गये फल, व्यक्तित्व को किया गया नमन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। युवा कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं समाजसेवी सतीशचंद्र शुक्ल की अठारहवीं पुण्यतिथि शनिवार को यहां समारोहपूर्वक मनाई गयी। स्मृति दिवस पर जुटे समर्थकों व कार्यकताओं ने नगर स्थित ट्रामा सेंटर तथा सीएचसी में मरीजों को फल बांटे। वहीं स्थानीय कैम्प कार्यालय पर हुई संगोष्ठी में सतीश शुक्ल के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम को वर्चुअल संबोधित करते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि सतीश शुक्ल ने सामाजिक तथा राजनैतिक जीवन में रचनात्मक योगदान देकर युवाओं के लिए प्रेरणा की नजीर रखी। वहीं अपने वर्चुअल संबोधन में कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि युवा सरोकार के लिए सतीश शुक्ल के द्वारा निभाई गई भूमिका युवाओं को सामाजिक परिवेश में योगदान की प्रेरणा देती रहेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी तथा संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। कार्यक्रम को शिक्षक नेता बृजेश द्विवेदी, चिकित्साविद् डा. नीरज शुक्ला, छोटे लाल सरोज व संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल महेश ने संबोधित करते हुए स्व. सतीश शुक्ल के संघर्षशील व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर शास्त्री सौरभ, गोलू शुक्ल, लवकुश शुक्ल, सचिन मिश्र, संदीप मिश्र, अंकुर शुक्ल, सभासद करूणाशंकर द्विवेदी आदि मौजूद रहे। इधर सतीश शुक्ल की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर पैतृक गांव नौढ़िया टोडी का पुरवा में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्रदेश कांग्रेस सचिव उज्ज्वल शुक्ल ने किया। आभार प्रदर्शन सतीश शुक्ल के छोटे भाई डा. नीरज शुक्ल ने किया। इस मौके पर मा.शि.सं के जिला मंत्री आलोक शुक्ल, प्रभाकांत शुक्ल, विनय, अंशुल शुक्ल आदि रहे।

उलाहना देने पर दो महिलाओं को पीटा

पट्टी, प्रतापगढ़। जमीन में लगे हुए पेड़ को पड़ोसियों ने उखाड़ कर फेंक दिया। महिला ने जब इसका विरोध किया तो उसे लाठी-डंडों से उसे जमकर मारा पीटा। बीच-बचाव करने आई उसकी भाभी को भी आरोपियों ने पीट दिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के धुई गांव की रहने वाली विमला तिवारी विधवा है। उसने अपनी जमीन पर दो पेड़ लगा रखा है। जमीन को विवादित कहते हुए आधा दर्जन पड़ोसियों ने दोनो पेड़ों को उखाड़ कर फेंक दिया। महिला को इसकी जानकारी हुई तो उलाहना देने के उनके घर गई तो आरोपीगण महिला को दौड़ा लिया और घर में घुसकर मारा पीटा। घर में रखा हुआ सामान तोड़ दिया। बीच बचाव करने आई उसकी भाभी को भी आरोपियों ने जमकर मारा पीटा। पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर आरोपियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग की है।

खबर संक्षेप

मनोज कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ कोषाधिकारी, ग्रेड वेतन 7600, पे-मैट्रिक्स लेबिल-12 में पदोन्नत

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी में वरिष्ठ कोषाधिकारी के पद पर (ग्रेड वेतन 6600 पे-मैट्रिक्स लेबिल-11) तैनात मनोज कुमार त्रिपाठी को विभागीय चयन समिति की संस्तुति पर ग्रेड वेतन 7600, पे-मैट्रिक्स लेबिल-12 में नियमित रूप से पदोन्नत करने एवं वर्तमान पद पर कार्यभार ग्रहण किये जाने की राज्यपाल ने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है।

बाइक हुई छतिग्रस्त

अझुवा कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के शरीफाबाद तिराहे के पास बाइक सवार दंपत्ति को कंटेनर ने टक्कर मार दिया है हादसे में बाइक सवार दंपत्ति बच गए हैं लेकिन बाइक क्षतिग्रस्त हो गई है।जानकारी के मुताबिक धर्मेंद्र पाल पुत्र राजेश कुमार अपनी पत्नी सीता निवासी हथगांव फतेहपुर से बाइक से प्रतापगढ़ रिश्तेदारी में जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार दंपत्ति कड़ाधाम कोतवाली के शरीफाबाद तिराहे के पास पहुंचे कि कंटेनर ने बाइक में टक्कर मार दी है जिससे बाइक क्षतिग्रस्त हो गई है इस हादसे में दंपति को गंभीर चोटें नहीं आई हैं घटना में बाइक सवार दम्पति बाल-बाल बच गए हैं सूचना मिलने के बाद कड़ाधाम पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुटी है।

डीएम ने बाढ़ प्रभावित ग्राम हिसामबाद एवं कोसम खिराज का किया निरीक्षण

बाढ़ से प्रभावित लोगों को हर सम्भव सुविधा मदद उपलब्ध कराने के निर्देश, प्रतिदिन साफ-सफाई के साथ ही एंटीलार्वा का छिड़काव एवं फॉगिंग कराने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने बाढ़ प्रभावित ग्राम-हिसामबाद एवं कोसम खिराज का निरीक्षण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा बाढ़ प्रभावित लोगों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को सुनकर आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा हर सम्भव मदद सुविधा उपलब्ध कराई जायेंगी इस सम्बन्ध में उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दियें। उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी को बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में बाढ़ की स्थिति पर निरन्तर निगरानी करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रतिदिन साफ सफाई के साथ ही एंटीलार्वा का छिड़काव एवं फॉगिंग कराई जाय तथा बाढ़ क्षेत्र में बीमारियॉ न फैलें इसके बचाव के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाय। इसके साथ ही

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते डीएम

उन्होंने बाढ़ से प्रभावित लोगों को रहने व खाने-पीने सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दियें उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी से कहा कि जरूरतमन्द लोगों को लेखपाल के माध्यम से भूमि चिन्हित कर पट्टा दिये जाने की कार्यवाही किया जाय, जिससे आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके जिलाधिकारी ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय गढ़वा एवं पंचायत भवन हिसामबाद में बनाये गये बाढ़ चौकी का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लेते हुए खण्ड विकास अधिकारी से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि मेडिकल टीम पुलिस एवं कर्मचारी बाढ़ चौकी में उपस्थित रहकर जरूरतमन्द लोंगों को चिकित्सीय सुविधा सहित अन्य सुविधायें/मदद उपलब्ध कराते रहें इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

डीएम एवं एएसपी ने थाना कौशाम्बी तथा सराय अकिल में सुनी जनसमस्यायें

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कौशाम्बी एवं थाना सरांय अकिल में जनसमस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दियें थाना सरांय अकिल में कुल 09 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायत का निस्तारण मौके पर कर दिया गया एवं शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी एवं अपर पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दिये इसी प्रकार थाना कौशाम्बी में 01 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसे राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दिये।

राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के दिये निर्देश

सीओ ने थाना कोखराज में सुनी जन समस्याएं

कोखराज कौशांबी। शासन के निर्देश पर कोखराज थाना में थाना समाधान दिवस के अवसर पर सीओ डॉ केजी सिंह ने फरियादियों की जन समस्याओं को सुना मौके पर 17 शिकायती प्रार्थना पत्र आए जिनमें 3 शिकायतों का मौके पर त्वरित निस्तारण कर दिया गया थाना समाधान दिवस के अवसर पर कोतवाल तेज बहादुर सिंह की मौजूदगी में 17 शिकायतों मे 3 का मौके पर निस्तारण किया गया शेष बची शिकायतों को निस्तारित करने के लिए राजस्व कर्मचारियों को पुलिस के सहयोग से निस्तारित करने का निर्देश दिया गया थाना समाधान दिवस के मौके पर कोखराज के एसओ तेज बहादुर सिंह,उप निरीक्षक राकेश कुमार शहजादपुर चौकी इंचार्ज सुमित आनंद उपनिरीक्षक लाल साहब यादव,नितेश कुमार त्रिपाठी जितेंद्र प्रताप सिंह, अभिषेक कुमार यादव,लेखपाल साधना सिंह देवेंद्र सिंह,रितेंद्र सिंह,दिलीप कुमार,अश्वनी कुमार,विनोद कुमार मिश्र,लोकनाथ पांडेय, रियाज अहमद,ज्ञानसिंह पाल पवनकुमार राय सुमित केसरवानी शंकरदयाल सिंह,लक्ष्मी शंकर,पुलिस कांस्टेबल सूरज कुमार,अनुपम सिंह लोग मौजूद रहे।

सड़क किनारे पड़ा मिला नवजात शिशु

हर्रायपुर कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के अंतर्गत मूरतगंज चौकी क्षेत्र के सिकंदरपुर बजहा मान सिंह इंटर कॉलेज के पास सड़क किनारे एक नवजात शिशु पड़ा मिला है मामले की जानकारी मूरतगंज चौकी को दी गयी है सूचना मिलते ही चौकी इंचार्ज अपने हम राहियों के साथ पहुंचकर नवजात शिशु को लेकर सीएससी मुरतगंज में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई व जनपद स्तर से गठित चाइल्डलाइन को अवगत कराते हुए नियमानुसार कार्रवाई पुलिस ने कराई है।

दानवीर वैश्य परिवार ने शीतला माता को अर्पित किया सोने का छत्र

अझुवा कौशांबी। धरती दान वीरों से खाली नहीं है सिराथू कस्बे के व्यापारियों ने शीतला माता के मंदिर में सोने का छत्र अर्पित कर एक बार फिर समाज में बैश्य समाज का सिर गौरान्वित किया है कौशांबी जिले के दारा नगर के रहने वाले दानवीर मनोज कुमार पुत्र किशोरी लाल ने कड़ा धाम स्थित माता शीतला देवी के मंदिर में सोने का छत्र माता को अर्पित किया है मूल रूप से दारानगर के रहने वाले मनोज अग्रहरि वर्तमान में सिराथू कस्बे में रहते हैं और शीतला माता के चरणों में हमेशा उनका परिवार भक्ति में लीन रहता है सोने का छत्र मां को अर्पित करने के बाद वैश्य समाज का एक बार उन्होंने फिर गौरव बढ़ाया है।

आम आदमी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष बने श्याम सिंह

कौशाम्बी। आम आदमी पार्टी ने पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों की पूरे प्रदेश में घोषणा की है इसी क्रम में आम आदमी पार्टी के पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के कौशांबी जिला अध्यक्ष श्याम सिंह बनाए गए हैं पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष एपी सिंह पाल ने पत्र जारी कर जिला अध्यक्ष की घोषणा की है जैसे ही आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों को श्याम सिंह के नियुक्ति की जानकारी मिली पार्टी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है और कहा है कि श्याम सिंह के पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष बनाए जाने से आम आदमी पार्टी का संगठन मजबूत होगा

सर्पदंश से हुई महिला की मौत

अझुवा कौशाम्बी। कड़ाधाम कोतवाली क्षेत्र के चूहापीरन गांव एक महिला सुनीता उम्र 26 वर्ष पत्नी सुनील पाल को रात में सोते वक्त सर्प ने काट लिया है जिससे उसकी मौत हो गई है बीती रात पति व दो बच्चों के साथ भोजन करके महिला सोई थी सुबह पति ने उठाने का प्रयास किया तो पत्नी नहीं उठी पति को शंका हुई बेड के नीचे सुस्त अवस्था में साप पड़ा मिला जहरीले सर्प ने सोती हुई पत्नी के हाथ में काटकर उसे मौत के घाट उतारा सुबह 2 घंटे तक पत्नी के इलाज में पति परेशान था अंत में मौत हुई घटना से परिवार में छाया मातम पति व बच्चों का रो रो कर बुरा हाल है।

अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

अझुवा कौशाम्बी। अवैध शराब कारोबारी के यहां सैनी कोतवाली पुलिस ने मारा छापा शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है जनपद में अपराध एवम अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत सैनी कोतवाली प्रभारी भुवनेश चौबे के नेतृत्व में अझुवा चौकी पुलिस ने बीती देर शाम नगर पंचायत अझुवा के कई वार्डों में अवैध शराब निर्माण के रूप में विख्यात शराब कारोबारियों के यहां छापा मारा इस छापामार कार्रवाई में वार्ड नं 6 निवासी मनोज कुमार पुत्र शिवदास के घर से अवैध रूप से बन रही कच्ची देशी महुआ शराब 200 लीटर एवम शराब बनाने के उपकरण सहित 6 कुंतल अर्धनिर्मित शराब लहन पुलिस ने बरामद किया अझुवा चौकी पुलिस ने अर्धनिर्मित शराब लहन को मौके पर ही नष्ट करवा दिया। इस दौरान चौकी इंचार्ज गौरव त्रिवेदी ने अवैध शराब कारोबारी मनोज कुमार को कस्टडी में लेकर न्यायालय को सुपुर्द किया है चौकी पुलिस की कार्यवाही से नगर पंचायत अझुवा में अवैध शराब कारोबारियों की रीढ़ टूट गयी है।

कादीपुर गांव की सरकारी जमीन पर कब्जे की डीएम से शिकायत

कौशांबी। सिराथू तहसील क्षेत्र के बड़नपुर कादीपुर की इचौली ग्राम सभा की आराजी संख्या 303 बंजर खाते में दर्ज है जिस पर सैकड़ों वर्ष से हरिजन खाद का गड्ढा बनाकर उपयोग करते आ रहे हैं लेकिन इस जमीन पर दूसरे गांव के व्यक्ति द्वारा कब्जा किया जा रहा है आराजी नंबर 302 खरीद करने के बाद आराजी नंबर 303 पर मकान बनवा लिया गया है जिसकी शिकायत पूर्व में भी ग्रामीणों ने की थी शिकायत कताओं के अनुसार लेखपाल कब्जा धारकों से मिल चुका है और वह बार-बार अलग-अलग रिपोर्ट देकर अधिकारियों को गुमराह करता है जिससे सरकारी भूमि पर दबंगों का कब्जा बरकरार है डीएम से शिकायत करते हुए गांव के हेमंत कुमार रावत ने सरकारी जमीन पर बने मकान को ध्वस्त कराने की मांग की है जिस पर डीएम ने एसडीएम को कार्यवाही करते हुए सरकारी जमीन को सुरक्षित करने का निर्देश दिया है।

राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने जिला चिकित्सालय एवं स्पोर्टर्स स्टेडियम का किया निरीक्षण

स्टेडियम का निरीक्षण कर वापस लौटते राज्यमंत्री

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव ने संयुक्त जिला चिकित्सालय एवं स्पोर्टस स्टेडियम का निरीक्षण किया। जिला चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने इमर्जेन्सी वार्ड एवं जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों से वार्ता कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए वहॉ पर मिलने वाले भोजन एवं दवाओं की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने डॉक्टरों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दियें। इसके साथ ही उन्होंने साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित बनाये रखने के भी निर्देश दिये। स्पोर्ट्स स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान राज्यमंत्री ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए डारमेट्री की छत पर दर्शक दीर्घा के चल रहे निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराकर सम्बन्धित विभागीय अधिकारी को हैण्डओवर कराने के निर्देश दियें इस अवसर पर डीएम सुजीत कुमार, सीडीओ डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 दीपक सेठ रूस्तम खॉ एवं जिला युवा कल्याण अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

ग्राम सैदनपुर में जन चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की सुनी समस्यायें

कौशाम्बी। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने ग्राम सैदनपुर में जन चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) द्वारा ग्रामवासियों से पेंशन, राशन, आवास एवं शौचालय आदि योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया कि पात्र व्यक्तियों को शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

मलिन बस्ती की साफ-सफाई बेहतर करने के राज्य मंत्री ने दिए निर्देश

कौशाम्बी। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने गॉधीनगर, मंझनपुर मलिन बस्ती का निरीक्षण कर बस्ती की साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित रखने के निर्देश दिये। उन्होंने लोगों से वार्ताकर केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को सभी पात्र व्यक्तियों को केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिये राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने गॉधीनगर मोहल्ला में स्थित पार्क में पी0एम0 स्वनिधि योजना के अन्तर्गत आयोजित रेहडी-पटरी व्यवसायियों के साथ सम्वाद कार्यक्रम में रेहडी-पटरी व्यवसायियों के साथ सम्वाद कर केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ मिलने की जानकारी प्राप्त की तथा पी0एम0 स्वनिधि योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत प्रमाण पत्र वितरित किया।

भरवारी क्षेत्र में बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा बाधित

सरकार की मंशा पर पानी फेर रहा हैं बीएसएनएल की अव्यवस्था

भरवारी कौशांबी। भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा भरवारी क्षेत्र में पूरी तरह से बाधित है वैसे तो कौशांबी जिले के अन्य कस्बों में भी बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा आए दिन बाधित रहती है जिससे आम जनमानस के साथ-साथ शिक्षण संस्थानों को भी दिक्कतों से जूझना पड़ता है एक तरफ उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षण संस्थानों से ऑनलाइन डिजिटल क्लास चलाने की बात करती है लेकिन बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा बाधित होने से ऑनलाइन क्लास चलाने में छात्र छात्राओं को दिक्कतों से जूझना पड़ता है भरवारी स्थित भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी ने भी बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा ले रखी है लेकिन बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा आए दिन बाधित होने से भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी के छात्र छात्राओं को ऑनलाइन डिजटल क्लास चलाने में दिक्कतें हो रही हैं बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा बाधित होने से इंटरनेट द्वारा संचालित किए जा रहे शिक्षा कार्य में अवरोध उत्पन्न हो रहा है जिससे छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकार में हो रहा है छात्र छात्राओं को ऑनलाइन शैक्षणिक कार्य की सुविधा प्रदान करने का प्रयास भवंस मेहता महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है लेकिन इंटरनेट सेवा बाधित होने से छात्र छात्राओं के शैक्षणिक कार्यों में दिक्कतें उत्पन्न हो रही हैं इंटरनेट सेवा बाधित होने से महाविद्यालय डिजिटल रूप से शैक्षणिक कार्य नहीं कर पा रहा है विद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रबोध श्रीवास्तव ने भारत संचार निगम लिमिटेड बीएसएनएल को इंटरनेट सेवा सुधार करने के लिए कहा है लेकिन उसके बाद भी बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा में सुधार नहीं हो सका है भरवारी क्षेत्र के साथ-साथ कौशांबी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में आए दिन बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा बाधित रहती है प्राचार्य डॉ प्रमोद श्रीवास्तव ने कहा कि यदि बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा में सुधार नहीं हुआ तो शासन प्रशासन के साथ आला अधिकारियों को बीएसएनएल की अव्यवस्था से अवगत कराया जाएगा।

भवंस मेहता महाविद्यालय में शीघ्र प्रारंभ होगा गणित विषय में शोध कार्य

भरवारी कौशांबी। भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में जल्द ही गणित विषय में क्षेत्र के छात्र छात्राओं को शोध कराया जाना प्रारंभ होगा प्रोफेसर राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा गणित विषय में शोध पाठ्यक्रम पीएचडी प्रारंभ कराए जाने हेतु 25 अगस्त को भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में निरीक्षण समिति द्वारा निरीक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है राजेंद्र सिंह विश्वविद्यालय द्वारा अनुमति प्रदान किए जाने के बाद भवंस मेहता महाविद्यालय भरवारी में छात्र छात्राओं को गणित विषय में पीएचडी डिग्री उपाधि कराया जाना जल्द प्रारंभ किया जाएगा भवंस मेहता महा विद्यालय में गणित विषय में शोध पीएचडी उपाधि प्रारंभ कराए जाने की जानकारी मिलने के बाद छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर है वही क्षेत्र के लोग उत्साहित हैं। प्राचार्य प्रोफेसर प्रबोध श्रीवास्तव ने बताया कि जल्द ही भवंस मेहता महाविद्यालय में गणित विषय में छात्र छात्राओं को पीएचडी शोध कराया जाएगा।

जलजमाव की समस्या से जूझ रहा नगर पंचायत चरवा

सरकारी खजाने से लाखों खर्च करने के बावजूद समस्या जस की तस

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नगर पंचायत चरवा में जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने के नाम पर अधिशासी अधिकारी ने वित्तीय वर्ष 2022 में सरकारी खजाने से लाखों रुपए की रकम खर्च कर दी है लेकिन जल निकासी की समुचित व्यवस्था नगर पंचायत क्षेत्र में नहीं हो सकी है अभिलेखों में सरकारी रकम खर्च कर जमकर कमीशन खोरी हुई है नगर पंचायत के मॉनिटरिंग करने वाले अधिकारी भी अधिशासी अधिकारी की मीठी मीठी बातों से गुमराह हो रहे हैं हल्की बारिश के बाद नगर पंचायत चरवा की गली गली में जलभराव होने लगा है आम जनता जलभराव की समस्या से जूझ रही हैं बारिश होते ही नाली का गंदा पानी गलियों में बहता है जिससे लोगों को निकलने में दिक्कतें होती हैं नगर पंचायत चरवा क्षेत्र की कई सड़कों में जलभराव बना रहता है विकास

नगर पंचायत चरवा में जलभराव का दृश्य

कार्यों के नाम पर नगर पंचायत चरवा में अधिकारियों के संरक्षण में जमकर कमीशन खोरी का खेल चल रहा है निर्माण कार्यों के नाम पर मानक विहीन निर्माण कराए गए हैं जिससे समय के पूर्व नाली नाला ध्वस्त हो रहे हैं अव्यवस्था के चलते पूरे नगर पंचायत चरवा क्षेत्र में जल जमाव से नगरवासी जूझ रहे हैं। नगर पंचायत में पल रहे भ्रष्टाचार और अधिशासी अधिकारी के कमीशन खोरी की बार-बार शिकायत अधिकारियों से हो रही है लेकिन जांच के नाम पर लीपापोती कर जांच अधिकारी भी कमीशन खोरी तक सीमित रह गए हैं जिससे नगर पंचायत चरवा दुर्दशा का शिकार हो चुकी है नगर पंचायत चरवा क्षेत्र में विकास कार्यों के नाम पर धांधली के मामले की यदि शासन स्तर से उच्च स्तरीय जांच कराई गई तो अधिशासी अधिकारी की मुसीबत बढ़ सकती है।

जूनियर इंटर हाउस फुटबॉल मैच में मुंशी हाउस और नेहरू हाउस ने फाइनल में किया प्रवेश

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी। भवन्स मेहता विद्याश्रम भरवारी के हरे-भरे मैदान में जूनियर इंटर हाउस फुटबॉल मैच के पहले मुकाबले में मुंशी हाउस ने मेहता हाउस को 1-0 से हरा दिया।मुंशी हाउस की तरफ से एक मात्र गोल खिलाड़ी शिवेश मिश्रा ने किया जो की निर्णायक गोल रहा।मेहता हाउस के कप्तान चैतन्य देव मिश्र ने मुंशी हाउस के कप्तान आशुतोष शास्त्री को जीत की बधाई दिया।इसी तरह ग्रुप 2 के दूसरे मुकाबले में नेहरू हाउस ने मालवीय हाउस को 2-0 हराकर फाइनल में जगह बनाया।नेहरू हाउस की तरफ से खिलाड़ी सौरभ सिंह ने दोनो गोल किया।मालवीय हाउस के कप्तान कृष्णा नंद द्विवेदी ने नेहरू हाउस के कप्तान अनमोल द्विवेदी को जीत की बधाई दिया। वरिष्ठ खेल शिक्षक सुधाकर सिंह ने प्रधानाचार्य संजय श्रीवास्तव की उपस्थिति में फुटबॉल मैच शुरू करने से पहले छात्रों को खेल के टिप्स दिए व स्वयं बच्चों के साथ मैदान में उपस्थित रहकर निर्णायक की भूमिका में नजर आए।प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव ने मुंशी और नेहरू हाउस को फाइनल में जगह बनाने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी।

खेल प्रतियोगिता आयोजन का दृश्य

गंगा में डूब रही 2 युवतियों को पीएसी के जवान और मल्लाहों ने बचाया

अझुवा कौशाम्बी। कड़ा धाम कोतवाली क्षेत्र के कुबरी गंगा घाट में गंगा स्नान के दौरान पैर फिसल जाने से एक युवती नदी के गहरे जल में डूबने लगी शोरगुल सुनकर युवती की भाभी उसे बचाने उतरी जिस पर भाभी भी नदी में डूबने लगी चीख-पुकार सुनकर पीएसी के जवान और स्थानीय मल्लाह नदी में कूद पड़े और दोनों युवतियों को नदी के गहरे जल से बाहर निकाल लिया है मौत के मुंह से दोनों महिलाएं बाहर निकल आई हैं बताया जाता है कि गंगा नदी में स्नान करने के दौरान डूब रही दोनो युवतियों को बचाने के लिए पी एस सी फोर्थ बटालियन के जवान जय प्रकाश दिग्विजय के साथ स्थानीय मल्लाह कन्हाई लाल ने गंगा नदी में छलांग लगाकर दोनों युवतियों को डूबने से बचा लिया है दोनों महिलाएं फतेहपुर जनपद की रहने वाली बताई जाती हैं।

हेराफेरी कर ग्राम पंचायत व नगरपालिका से हथियाया दो-दो पीएम आवास

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। सिराथू तहसील के ग्राम पंचायत नौढिया अब नगरपालिका भरवारी नगर पालिका वार्ड नं 10 मंगल पाण्डेय में जोड़ दिया गया हैं। इस वार्ड में नगरपालिका भरवारी से दलालों व कर्मचारियों ने सरकारी खजाने को लूटने का नया तरीका अपनाया है जिनके पास पहले से ही आवास बने हो उनको ही प्रधानमंत्री आवास देकर मोटी रकम वसूली जाती हैं और आवास भी नहीं बनानी पड़ती हैं केवल सरकारी धन की लूट करने में कर्मचारियों ने पूरी ताकत लगा रखी है जब कि बिट्टन देवी पत्नी हीरालाल सरोज,छेदी लाल पुत्र जगन्नाथ कोरी,सुग्गन देवी पत्नी रामहित, विषरहिन पत्नी बद्री सरोज

नगर पालिका भरवारी में दलालों कर्मचारियों ने घूस ले कर अपात्रों को दिया आवास!

आदि लोगों को अभी कुछ साल पहले इन्दिरा आवास मिला था जिनको पुनः घूस ले कर प्रधानमंत्री आवास भी दे दिया गया जिसकी रकम भी निकल गयी और जिले के अधिकारियों ने सरकारी खजाना को लूटने की पूरी छूट दे रखी है।जबकि बारिश में गिरे गरीबो के घर नही हैं वह पात्र हैं लेकिन उनको आज तक किसी अधिकारी व कर्मचारियों ने सुध तक नही ली यही हैं।क्या सरकारी खजाना लूटने वाले इन कर्मचारियों व दलालों पर जाँच कर कार्यवाही होगी या फिर आपत्रो को आवास दे कर योगी सरकार में सरकारी खजाने को लूटते रहेगे।

वैरिकोज वेन्स (उभरी नीली नसों) को ठीक करने के लिए घरेलू उपचार, जानें डॉक्टर से

वैरिकाज वेन्स की समस्या तब होती है, जब किसी व्यक्ति की नसों में खून जमा हो जाता है। इसकी वजह से नसें बड़ी हो जाती हैं और उभरी हुई दिखाई देती हैं। वैरिकाज नसों का रंग नीला, बैंगनी या लाल दिखाई दे सकता है।

वैरिकाज वेन्स दर्दनाक होता है, इसकी वजह से व्यक्ति को चलने-फिरने में मुश्किल आ सकती है। यह समस्या पैरों के निचले हिस्से में अधिक देखने को मिलती है। वैरिकाज नसें (Varicose Veins in Hindi) महिलाओं को अधिक प्रभावित कर सकती है। गर्भावस्था, मेनोपॉज, अधिक उम्र और मोटापा को वैरिकाज नसों के कारण माने जाते हैं।

वैरिकाज नसों की में व्यक्ति को पैरों में दर्द और भारीपन महसूस हो सकता है। पैरों में सूजन भी नजर आ सकती है। वैरिकाज की समस्या पूरी दिनचर्या को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में समय रहते वैरिकाज नसों का इलाज (Varicose Naso ka ilaj) करवाना बहुत जरूरी होता है। वैसे तो वैरिकाज नसों का इलाज डॉक्टर की कर सकते हैं। लेकिन आप चाहें तो वैरिकाज नसों का घरेलू उपचार भी आजमा सकते हैं। लेकिन वैरिकाज वेन्स का घरेलू इलाज कितना असरदार है, इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है।

आइब्रो की ग्रोथ को बेहतर करने के लिए आप इन मिश्रण का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह काफी लाभकारी हो सकता है। लेकिन ध्यान रखें कि अगर आपको इस घरेलू उपायों से किसी तरह की परेशानी हो रही है तो एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें।

रेगुलर एक्सरसाइज करें

वैरिकाज वेन्स के घरेलू उपाय- रामहंस चेरिटेबल हॉस्पिटल के आयुर्वेदिक डॉक्टर श्रेय शर्मा बताते हैं कि रेगुलर एक्सरसाइज से वैरिकाज नसों का इलाज (Varicose naso ka ilaj) किया जा सकता है। दरअसल, नियमित एक्सरसाइज करने से पैरों में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। इससे पैरों की नसों में खून जमा नहीं होता है और हृदय तक आसानी से पहुंच जाता है। वैरिकाज वेन्स का घरेलू इलाज करने के लिए आप साइकलिंग, स्विमिंग, वॉकिंग और योग आदि कर सकते हैं।

रोजाना मालिश करें

रोजाना पैरों की मालिश करने से भी वैरिकाज नसों का उपचार (Malish se Thik Kare Varicose Veins) संभव हो सकता है। वैरिकाज नसों को ठीक करने के लिए आप जैतून के तेल से पैरों की मालिश कर सकते हैं। पैरों की मालिश करने से रक्त प्रवाह बेहतर होता है। लेकिन मालिश हमेशा हल्के हाथों से करें। मालिश करते हुए दबाव न बनाएं, इससे टिश्यू डैमेज हो सकते हैं।

मोटापा वैरिकाज नसों का कारण हो सकता है। ऐसे में वैरिकाज नसों का इलाज करने के लिए वजन को कम (Varicose Veins Thik Krne ke Liye Vajan Kam Karen) करना फायदेमंद हो सकता है। दरअसल, वजन कम करने पर नसों पर कम दबाव पड़ेगा। साथ ही रक्त का प्रवाह भी बाधित नहीं होगा। वजन कंट्रोल करके वैरिकाज नसों की समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है। हेल्दी वेट (Healthy Weight in Hindi) के लिए अच्छी डाइट और एक्सरसाइज करें।

फ्लेवेनोएड रिच डाइट लें

वैरिकोज नसों का घरेलू इलाज करने के लिए आप अपनी डाइट में फ्लेवेनोएड रिच फूड्स शामिल कर सकते हैं। फ्लेवेनोएड शरीर में रक्त प्रवाह को बेहतर करता है।

जनाधार बढ़ते ही इमरान पर कानूनी फंदे

आप सत्ता में नहीं हैं, तो बोलना संभल के होता है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान इस बार ज़ुबान की वजह से क़ानून के फंदे में हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ज़ेबा चौधरी व बड़े पुलिस अधिकारियों के बारे में कहा कि लीगल एक्शन लूंगा, तो उनके खिलाफ़ आतंकवाद का केस दर्ज़ हो गया। एंटी टेररिज्म कोर्ट के जज राजा अब्बास ने इमरान ख़ान को एक सितंबर तक की अंतरिम ज़मानत दे दी है। वो एक लाख रुपये की निजी ज़मानत पर छूटे हैं। एक और केस धारा 144 के उल्लंघन का है। पांच हज़ार के निजी मुचलके पर सत्र न्यायाधीश ताहिर अब्बास सुप्रा ने इमरान को सात सितंबर तक की बेल दी है। दो केस और दो अलग-अलग ज़मानत। धमकी देने पर आतंकवाद का मामला आयद होता है, पाकिस्तान का नया प्रहसन है। कल को दक्षिण एशिया के बाकी देशों के सत्तापक्ष वाले इस राह पर चल पड़ें तो क्या कीजिएगा?कहानी पीटीआई नेता शाहबाज गिल से शुरू होती है, जो इमरान के क़रीबी माने जाते हैं। उन पर राजद्रोह का आरोप लगाया गया था। शाहबाज गिल पर पाकिस्तान के एक प्राइवेट चैनल के डिबेट में सेना के खिलाफ, सरकारी संस्थाओं के सदस्यों को भड़काने के आरोप हैं। इस पूरे मामले पर पूर्व पीएम इमरान खान ने गिल के व्हीलचेयर पर बैठे हुए एक वीडियो ट्वीट कर बताया कि उन्हें यातना दी जा रही है। इमरान ने धमकाया था कि जिन पुलिसवालों ने ज़ुल्म किये, उन्हें छोड़ूंगा नहीं, और उस जज को भी जो पुलिस वालों पर नरमी दिखा रही हैं। पीटीआई नेता शाहबाज गिल ने आरोप लगाया कि उन्हें इलेक्ट्रिक शॉक दिए गए हैं। यह बात उन्होंने पत्रकार मतिउल्लाह से कही थी। हाल ही में पीटीआई नेता गिल ने यह भी बताया था कि इस्लामाबाद जेल में उनका यौन शोषण हुआ है।पूर्व पीएम इमरान खान ने पिछले हफ्ते कहा था कि पीटीआई नेताओं को साजिश के तहत गिरफ्तार किया जा रहा है। पाकिस्तान की शहबाज सरकार की आलोचना करने वाले पीटीआई नेता शाहबाज गिल को एआरवाई चैनल ने जगह दी तो उसका प्रसारण रोक दिया गया। पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान ने ट्विटर पर शाहबाज गिल का एक वीडियो शेयर कर लिखा, पाकिस्तान बनाना रिपब्लिक बनता जा रहा है। दुनिया हमारे बर्बरता के स्तर को देखकर हैरान हो जाएगी।

लेकिन यह सब करके क्या इमरान ख़ान सत्ता के लिए चुनौती खड़ी कर रहे हैं? एक पूर्व सदरे रियासत पर आतंकवाद का केस दर्ज़ करना सचमुच चिंता का विषय है। इसमें अदालत का इस्तेमाल और भी गंभीर बात है। इमरान ये भी दावा करते रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना के साथ उनके सहज संबंध थे, मगर कुछ लोगों ने साजिशन उनकी सरकार गिराने में योगदान दिया। इमरान का आरोप रहा है कि प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए अमेरिका के आदेश पर उनके विरुद्ध साजिशें रची गई थीं। उनका दावा था कि मास्को जाने के कारण अमेरिका उनसे नाराज चल रहा था। हम अमेरिका से आदेश लेने की चली आ रही परंपरा से अपने मुल्क को आजाद करने की कोशिश कर रहे थे। सत्ता से उतरने के बाद यों इमरान ख़ान ने बाज़ दफा भारत की प्रशंसा की थी कि उसने पश्चिमी देशों के दबाव के बावजूद रूस और यूक्रेन के बीच की लड़ाई पर अपना अलग स्टैंड लिया।इस्लामाबाद पंजाब की वजह से 'बदलापुर' बना है। पाकिस्तान के सबसे बड़े सूबे पंजाब में बीते रविवार को हुए उपचुनाव में पूर्व पीएम इमरान ख़ान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को 20 में से 15 सीटें मिली हैं। पीटीआई की इस सफलता के बाद पंजाब के वर्तमान मुख्यमंत्री और पीएमएल-एन नेता हमजा शहबाज की कुर्सी चली गई। पहले इन सभी 20 सीटों पर पीटीआई के ही एमपीए (मेंबर ऑफ प्रोविंसियल असेंबली) थे। मगर अप्रैल 2022 में इमरान के पीएम पद से हटते ही पंजाब में भी उनकी पार्टी की सत्ता छिन गई थी।

अप्रैल के अंत में पाकिस्तान वाले पंजाब के तत्कालीन नेता और पीटीआई नेता सरदार उस्मान बुजदर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लेकिन पीटीआई के 20 एमपीए ने अपने नेता को वोट नहीं दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि सूबा ए पंजाब में पूर्व पीएम नवाज शरीफ के बेटे हमजा शहबाज मुख्यमंत्री बन गए।इस घटनाक्रम के बाद इमरान ने देश के दलबदल विरोधी कानून के तहत बागी एमपीए को अयोग्य करार देने की मांग पाकिस्तान के चुनाव आयोग से थी। पाक चुनाव आयोग ने मई में पीटीआई के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन सभी 20 एमपीए को अयोग्य करार दे दिया। साथ ही 17 जुलाई को इन सीटों पर उपचुनाव कराने का ऐलान कर दिया। इस उपचुनाव में अयोग्य हो चुके सभी एमपीए ने पीएमएल-एन के टिकट पर अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन उनमें से केवल चार एमपीए ही कामयाब हो पाए। एक सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली है।नवाज़ शरीफ के बेटे हमजा शहबाज को सीएम की कुर्सी से हटाने के लिए 371 सदस्यों वाली पंजाब सूबे की विधानसभा में पीटीआई को और 12 विधायक चाहिए थे, उपचुनाव में पूर्व पीएम इमरान ख़ान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को 20 में से 15 सीटें मिलने के बाद यह राह आसान हो गई। चौधरी परवेज़ इलाही की क़िस्मत, अब वो पंजाब के सीएम की कुर्सी पर विराजमान हैं। पाकिस्तान में आम फहम है कि जिस भी पार्टी की सत्ता पंजाब में होती है, उसके लिए इस्लामाबाद की गद्दी आसान होती है।सत्ता से उतरने के बाद इमरान आरोपों के गोले अमेरिका पर लगातार दागते रहे, मगर भारत के विरुद्ध ऐसा करने से बचते रहे हैं। उन्होंने यह ज़रूर कहा कि नवाज़ शरीफ पीएम मोदी से कई बार गुपचुप मिलते रहे हैं। दूसरा, शरीफ परिवार ने अपना मोटा पैसा भारतीय बैंकों में डाल रखा है।यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान से सामान्य संबंध बनते-बनते बिगड़े जा रहे हैं। 9 मार्च 2022 को भारतीय सीमा से एक सुपरसोनिक मिसाइल पाकिस्तान की तरफ दग गयी थी। यह भारतीय मिसाइल इस्लामाबाद से 500 किलोमीटर दूर पाकिस्तान के पूर्वी इलाके मियां चन्नू में जाकर गिरी। यह सर्जिकल स्ट्राइक नहीं, मिस्टेक थी। भारतीय वायु सेना ने मंगलवार को जानकारी दी कि हमने कोर्ट ऑफ इन्क्वारी बैठा कर, तीन अफसरों को बर्खास्त कर दिया है। पाकिस्तान का कहना है कि इस मामले पर जॉइन्ट इन्क्वारी बैठानी चाहिए। ताकि पूरी स्थिति स्पष्ट हो। मिसाइल सेफ्टी मैकेनिज्म में कहां लोचा हुआ है, इस तरह की चूक से ब्रह्मोस मिसाइल इस्लामाबाद को भी तबाह कर सकती थी। पाकिस्तान से कभी मैत्री होगी भी, कहना मुश्किल है।

सम्पादकीय

उपचार के संकल्प

बीता बुधवार हरियाणा व पंजाब के लिये मंगलकारी ही रहा। फरीदाबाद में आध्यात्मिक गुरु मां अमृतानंदमयी देवी के प्रयासों से बने एशिया के सबसे बड़े व आधुनिक सुविधाओं से लैस अमृता अस्पताल का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकार्पण किया। वहीं दूसरी ओर पंजाब के मुल्लांपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल व रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री ने किया। ये दोनों उद्घाटन राज्यों की जनता और मानवता की सेवा के लिये महत्वपूर्ण घटनाएं हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोरोना संकट की दूसरी लहर में महामारी के सामने अस्पताल बौने नजर आये और मरीज बेड व उपचार के लिये दर-दर की ठोकरें खाते रहे। संकट में अवसर तलाशने वाले लोगों ने मुसीबत के मारे लोगों को उल्टे उस्तरे से मूंडने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। ऐसे में महामारी से मिले सबकों के मद्देनजर हमें निरंतर चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की जरूरत है। मंगलवार को हुए लोकार्पण इस दिशा में सार्थक पहल की बानगी ही कही जायेगी। लेकिन यहां महत्वपूर्ण है भारतीय आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि संस्थाओं का मानव कल्याण के प्रति समर्पण भी उजागर होना। करीब 130 एकड़ में विस्तृत और 2600 बेड के आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं वाले अमृत अस्पताल के रूप में मां अमृतानंदमयी ने रोगियों व दुखियों की मदद के लिये ऋषिकर्म को ही सार्थक किया है। धार्मिक-आध्यात्मिक संस्थाओं द्वारा मानवता की सेवा की ऐसी बड़ी मिसाल दुनिया में कम ही मिलती है। वहीं रासायनिक खाद व कीटनाशकों के जरिये हरित क्रांति लाने वाले पंजाब को आज कैंसर की महामारी के रूप में इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। कीटनाशकों व रासायनिक खाद के अंधाधुंध उपयोग से आज भूजल व मिट्टी जहरीली हो गये हैं। यहां तक कि पंजाब के कई जिले भयावह कैंसर से जूझ रहे हैं। बठिंडा व अन्य जनपदों से राजस्थान के कैंसर अस्पताल में उपचार के लिये यात्रियों को ले जाने वाली ट्रेन को बाकायदा कैंसर ट्रेन का नाम दिया गया है। उम्मीद है ऐसे लोगों के लिये मुल्लांपुर का अस्पताल जीवन रक्षा का मंदिर बनेगा।उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के प्रयास से मुल्लांपुर स्थित होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखी गई थी। टाटा मेमोरियल सेंटर ने 660 करोड़ रुपये की लागत से तीन सौ बेड का अस्पताल तैयार किया है। निस्संदेह, पंजाब ही नहीं हरियाणा, हिमाचल व जम्मू-कश्मीर आदि राज्यों के रोगियों को कैंसर से लड़ने का जज्बा मिलेगा। वहीं इस दिशा में शोध का वातावरण बनने से मानवता के दुख-दर्दों को कम किया जा सकेगा। निस्संदेह,देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों यानी एम्स की संख्या में अपेक्षित विस्तार हुआ है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि चिकित्सा सुविधाएं तथा चिकित्सकों व कर्मियों की संख्या पर्याप्त होनी चाहिए। उपचार गुणवत्ता का हो और मरीजों को उसका लाभ सहजता व सरलता से मिल सके। निस्संदेह, हर राज्य को एम्स मिलना चाहिए मगर उपचार की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री का यह संकल्प भी प्रशंसनीय है कि देश के हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खुले। लेकिन शर्त वही है कि सुविधाओं व शिक्षण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाये। वहां योग्य शिक्षक हों और शोध-अनुसंधान की पर्याप्त सुविधाएं हों। इस प्रयास के सिरे चढ़ने पर ही देश की जनसंख्या के अनुपात में पर्याप्त चिकित्सक मिल सकेंगे। वहीं एलोपैथी के अलावा अन्य चिकित्सा पद्धतियों को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। देश में व्याप्त आर्थिक विषमता के मद्देनजर सस्ता व सहज सुलभ इलाज जरूरी भी है। प्रिवेंटिव हेल्थकेयर को बढ़ावा, हर गांव में चिकित्सा सुविधा, डॉक्टरों व पैरा-मेडिकल स्टॉफ में वृद्धि तथा जैनेरिक दवाओं की उपलब्धता हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि चिकित्सा के राष्ट्रीय बजट में समय की जरूरतों के मुताबिक पर्याप्त वृद्धि की जाये। इस कार्य में तकनीकी संसाधनों के उपयोग की भी महत्ती भूमिका होगी।

अस्थिरता के दौर में आरोपों का सिलसिला

केंद्र सहित अकेले सबसे ज्यादा राज्यों की सत्ता में होने के कारण भाजपा का लगातार चर्चा में बने रहना स्वाभाविक है। पिछले कुछ समय से भाजपा की चर्चा दूसरी सरकारों को अस्थिर करने की साजिश के आरोपों के कारण भी हो रही है। इस संदर्भ में अभी हाल की तीन घटनाएं सुर्खियों में है। एक, दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया है कि उनके पास भाजपा से ऑफर आया था कि आप सरकार गिरा कर हमारी पार्टी में आ जाइए, आपके सारे केस हट जाएंगे। दो, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ गठबंधन तोड़कर राजद से हाथ मिलाने के समय यही आरोप लगाया कि उनकी पार्टी को तोड़ने और खत्म करने की कोशिशें की जा रही थी। तीसरी घटना के रूप में हमारे सामने महाराष्ट्र है जहां शिवसेना के बहुसंख्यक विधायक एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में टूटकर भाजपा के पास चले गए और आज वहां इनके गठबंधन की सरकार है।

भाजपा पर आरोप इन तीन घटनाओं तक ही सीमित नहीं हैं। तीन ऐसी प्रमुख घटनाएं भी हैं जहां चुनाव के बाद विरोधियों की सरकारें बनी अवश्य, पर कुछ समय बाद उनका पतन हुआ और भाजपा की सरकार गठित हुई। एक, मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2018 के बाद सरकार कांग्रेस की बनी थी।ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में मार्च, 2020 में 22 विधायकों ने कांग्रेस से त्यागपत्र दिया और कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार का पतन हो गया तथा शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बन गई। दो, कर्नाटक में जनता दल (एस) के एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में कांग्रेस के साथ गठबंधन की सरकार गठित हुई लेकिन 14 महीने में ही गिर गई। 20 विधायकों ने पाला बदल लिया और कुमारस्वामी विधानसभा में विश्वास मत हासिल नहीं कर सके। उसके बाद बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा सरकार गठित हुई। कर्नाटक के मामले में भी तब राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा सहित कांग्रेस के नेताओं के बयान और ट्वीट देखें तो उसमें भाजपा पर खरीद-फरोख्त और दबाव से विधायकों को तोड़ने का आरोप लगा था। उस समय भी ईडी और आयकर विभाग जैसी एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग का आरोप लगा था। प्रश्न है कि क्या वाकई भाजपा पर जो आरोप लग रहा है वही सच है?

सबसे पहले दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम में आप ने 70 में से 62 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। क्या केवल 8 सीटें जीतने वाली पार्टी इतनी बड़ी संख्या में विधायकों को तोड़कर अपनी सरकार बना सकती है? आरोप यह भी है कि हर विधायक को 20-25 करोड़ रुपए का ऑफर दिया गया है। दरअसल, ईडी या सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के बाद आरोपी नेता और पार्टियां यही आरोप लगा रहे हैं। उनका उद्देश्य यही साबित करना होता है कि वे बेदाग हैं एवं मोदी सरकार इन एजेंसियों के द्वारा दबाव डालकर उनकी सरकार गिराना चाहती है। क्या भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित तथ्यों को देखने के बाद कोई विवेकशील व्यक्ति इस तरह के आरोपों को स्वीकार कर सकता है? जांच एजेंसियों के दुरुपयोग भारत में हुए हैं लेकिन उक्त आरोप एकदम तो गले नहीं उतरेगा। मध्यप्रदेश में सोनिया गांधी ने जिस समय ज्योतिरादित्य सिंधिया की इच्छाओं को दरकिनार कर कमलनाथ के हाथों सत्ता सौंपी उसी समय विद्रोह सुनिश्चित हो गया। उनके लिए भाजपा में स्वयं को समाहित करने में कोई समस्या नहीं थी।

इन दोनों राज्यों के बारे में भी कुछ तथ्य जानना जरूरी है। मध्यप्रदेश में 2018 के विधानसभा चुनाव में 230 सीटों में कांग्रेस को 114 तथा भाजपा को 109 सीटें मिली थीं। दोनों पार्टियों में केवल 5 सीटों का अंतर था। ऐसी स्थिति में असंतुष्टों के त्यागपत्र से सरकार परिवर्तन संभव था। कांग्रेस ने फिर भी सिंधिया को संभालने की कोशिश नहीं की। वहीं कर्नाटक में साल 2018 के चुनाव में 224 विधानसभा सीटों में भाजपा ने सबसे ज्यादा 104 सीटें जीती थीं। सत्तारूढ़ कांग्रेस को केवल 78 तथा जनता दल सेक्यूलर को 37 सीटें प्राप्त हुई थी। चुनाव परिणाम के बाद भी येदियुरप्पा के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी किंतु वे बहुमत साबित नहीं कर सके। उस समय कांग्रेस और जनता दल सेक्यूलर एक-दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़े थे लेकिन भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए सेक्यूलरवाद के नाम पर इन्होंने हाथ मिलाया था। महाराष्ट्र में भी 2019 में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा और शिवसेना के गठबंधन को ही बहुमत मिला था। शिवसेना ने ही पाला बदलकर विरोधी कांग्रेस और एनसीपी के साथ केवल उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए गठबंधन किया।

तथ्यों को देखिए तो निष्कर्ष वही नहीं आएंगे जैसा विरोधी दल बता रहे हैं। तथ्य देखने के बाद बिहार में नीतीश कुमार के आरोपों को भी आप स्वीकार करना नहीं कर पाएंगे। विधानसभा में भाजपा के पास 77 एवं जनता दल यू के 43 सदस्य हैं। जनता दल यू को तोड़ने का मतलब था सरकार का पतन। पूरी पार्टी भाजपा में मिल जाती तभी नई सरकार बन सकती थी। क्या यह संभव था? जाहिर है, नीतीश कुमार का इरादा कुछ और है।भाजपा अपनी सरकार बनाने की कोशिश करेगी यह स्वाभाविक है किंतु उसे सफलता केवल पार्टियों या गठबंधन के आंतरिक कलह का लाभ मिला। इनमें विधानसभा के अंकगणित की भी बड़ी भूमिका रही। इसके साथ हमें देश के राजनीतिक वातावरण की सच्चाइयों को नहीं भूलना चाहिए। इस समय देश में भाजपा और उनके कुछ नेताओं को लेकर जनता में जैसा आकर्षण है वैसा दो तीन राज्यों को छोड़ दें तो किसी दल के प्रति कहीं नहीं है। वहीं कुछ दूसरी पार्टियां के अंदर कई कारणों से निराशा का माहौल है। असल में, जब तक राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तरों की विरोधी पार्टियां अपने सिद्धांत या विचारधारा, संगठन और नेतृत्व संबंधी कमजोरियों को समझ कर इन्हें दूर नहीं करेंगी भाजपा को इसका लाभ मिलता रहेगा।

भारत की मेजबानी में ही होगा अंडर -17 महिला विश्व कप 2022 का आयोजन, फीफा ने हटाया निलंबन

ज्यूरिख। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एसोसिएशन फुटबॉल (फीफा) ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से तत्काल प्रभाव से निलंबन हटा लिया है। जिसके बाद फीफा अंडर -

17 महिला विश्व कप 2022 का आयोजन भारत में तय कार्यक्रम के अनुसार (11-30 अक्टूबर 2022 तक) ही होगा। फीफा ने एक बयान में कहा, परिषद के ब्यूरो ने 25 अगस्त, 2022 को एआईएफएफ के निलंबन को तत्काल प्रभाव से हटाने का फैसला किया। इसके परिणामस्वरूप, 11-30 अक्टूबर तक फीफा अंडर - 17 महिला विश्व कप 2022 भारत में योजना के अनुसार आयोजित किया जा सकता है। फीफा ने कहा, एआईएफएफ के कामकाज को संचालित करने के लिए नियुक्त तीन सदस्यीय प्रशासकों की समिति की बर्खास्तगी और एआईएफएफ प्रशासन द्वारा संघ के दैनिक मामलों पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने की पुष्टि होने के बाद इस बात का निर्णय हुआ है।कृपया ध्यान दें कि फीफा और एएफसी स्थिति की निगरानी करना जारी रखेंगे और समय पर चुनाव आयोजित करने में एआईएफएफ का समर्थन करेंगे।

क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हुए एचएस प्रणय

टोक्यो। भारतीय स्टार खिलाड़ी एचएस प्रणय के आज बीडब्ल्यूएफ (बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन) विश्व चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में हारने के साथ ही पुरुष एकल वर्ग में भारत के पदक की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं। एक घंटे से अधिक समय तक चले एक मैच में, प्रणय का सामना चीनी शटलर झाओ जून पेंग से हुआ। तीन सेटों तक चले इस रोमांचक मुकाबले में चीनी खिलाड़ी ने प्रणय को 19-21, 21-6 और 21-18 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। प्रणय ने पूरे मैच के दौरान अच्छी चुनौती दी। कोर्ट दो पर खेलते हुए, प्रणय ने सुनिश्चित किया कि वह शुरू से ही दबाव बनाने के मौके को नहीं

गंवाएंगे, और अपने अच्छे फॉर्म को जारी रखते हुए पहले सेट में 21-19 से जीत दर्ज की। लेकिन इसके बाद चीनी खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए शानदार वापसी की और दूसरे सेट में एकतरफा अंदाज में 21-6 से जीत दर्ज की। तीसरे सेट में प्रणय ने कुछ संघर्ष किया, लेकिन पेंग ने 21-18 से यह सेट जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बता दें कि इससे पहले, प्रणय ने हमवतन लक्ष्य सेन को रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-16, 21-17 से हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।

यूएस ओपन : अपने आखिरी टूर्नामेंट में कोविनिक से भिड़ेंगी सेरेना

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन में महिला एकल के पहले दौर के मैच में सेरेना विलियम्स को सोमवार (29 अगस्त) मोंटेनेग्रो की डंका कोविनिक से भिड़ेंगी। इस सीजन का फाइनल ग्रांड स्लैम टूर्नामेंट 29 अगस्त से शुरू हो रहा है। इस महीने की शुरुआत में विलियम्स ने यूएस ओपन के बाद सन्यास लेने की घोषणा की थी। विलियम्स 23 बार की ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता है। छह बार के यूएस ओपन चैंपियन का सामना पहली बार दुनिया के 80वें नंबर के खिलाड़ी कोविनिक से होगा। मोंटेनिग्रिन (27) वर्ष 2016 में कैरियर की 46 वें स्थान पर पहुंच गई और पिछले साल चार्ल्सटन में डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीतने वाली वह अपने देश की पहली महिला बनीं।

इस वर्ष जनवरी में कोविनिक ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में एम्मा राडुकानू को हराकर किसी स्लैम के तीसरे दौर में पहुंचने वाली पने देश की पहली महिला बनीं। इस टूर्नामेंट के विजेता का सामना या तो नंबर 2 एनेट कोंटेविट या रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन से होगा। विश्व की नंबर एक खिलाडी पोलैंड की इगा स्विएटेक शीर्ष पर हैं और पहले दौर में उनका सामना इटली की जैस्मीन पाओलिनी से होगा। टूर्नामेंट में विजेता का सामना या तो 2018 के चैंपियन अमेरिका के स्लोएन स्टीफंस या बेल्जियम के ग्रीट मिन्नेन से होगा।

मजबूत होने के लिए झूठ बोलना, कमजोर होने की तुलना में कहीं अधिक बुरा है : विराट कोहली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाए तीन साल से अधिक का समय बीत गया है और उनके फॉर्म को लेकर हर मिनट चर्चा जारी है। कोहली इंग्लैंड के दौरे पर अर्धशतक भी नहीं बना पाए और फिर उन्हें वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए आराम दिया गया। ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के साथ एक साक्षात्कार में, कोहली ने कहा कि कुछ महीने पहले उनकी तीव्रता गायब हो गई थी और इसे वापस पाने के लिए उन्हें एक ब्रेक की जरूरत थी।

कोहली ने कहा, 10 साल में पहली बार, मैंने एक महीने तक बल्ले को नहीं छुआ। मुझे एहसास हुआ कि मैं हाल ही में अपनी तीव्रता को पाने की कोशिश कर रहा था। आप जानते हैं कि आप ऐसा कर सकते हैं, आप प्रतिस्पर्धी हैं और आप कह रहे हैं कि मेरे पास तीव्रता है लेकिन आपका शरीर आपको रुकने के लिए कह

रहा है और यह आपको एक ब्रेक लेने और पीछे हटने के लिए कह रहा है। मुझे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाता है जो मानसिक रूप से बहुत मजबूत है और मैं हूं। हर किसी की एक सीमा होती है और आपको जरूरत होती है उस सीमा को पहचानने के लिए अन्यथा चीजें आपके लिए बिगड़ सकती हैं। कोहली ने कहा, इस दौर ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, आप कई चीजें जानते हैं जिन्हें मैं सतह पर नहीं आने दे रहा था। जब यह सामने आया, तो मैंने इसे गले लगा लिया। मुझे यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है कि मैं मानसिक रूप से नीचे महसूस कर रहा था, यह महसूस करना एक सामान्य बात है। लेकिन हम बोलते नहीं हैं क्योंकि हम हिचकिचाते हैं, हम नहीं चाहते कि हमें मानसिक रूप से कमजोर या कमजोर लोगों के रूप में देखा जाए। मेरा विश्वास करो, मजबूत होने के लिए झूठ बोलना कमजोर होने की तुलना में कहीं अधिक बुरा है।

अपनी तीव्रता के बारे में आगे बात करते हुए, कोहली ने कहा, मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो जागता है और महसूस करता है कि चलो देखते हैं कि मेरे लिए आज दिन में क्या है और मैं दिन भर जो कुछ भी कर रहा हूं, उसे पूरी उपस्थिति, भागीदारी और खुशी के साथ कर रहा हूं। लोग मुझसे बहुत पूछते हैं कि आप मैदान पर तीव्रता के साथ कैसे आगे बढ़ते हैं। मैं उन्हें सिर्फ इतना बताता हूं कि मुझे खेल खेलना पसंद है और मुझे इस तथ्य से प्यार है कि मेरे पास बहुत कुछ है योगदान करने के लिए और मैं मैदान पर अपना शत-प्रतिशत दूंगा। कोहली रविवार को एशिया कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन में दिखाई देंगे। यह उनके करियर का 100वां टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला भी होगा।

चिराग-सात्विक की जोड़ी सेमीफाइनल में हारी, कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

स्टार टोक्यो। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी की भारतीय जोड़ी को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2022 में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को पुरुष युगल वर्ग के सेमीफाइनल में मलेशिया के हारून चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा।

कोर्ट 1 पर खेले गए इस मुकाबले में मलेशियाई जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को 22-20, 18-21, 16-21 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। यह मुकाबला 1 घंटा 67 मिनट तक चला। इसी के साथ भारतीय जोड़ी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय पुरुष जोड़ी बन गई है। भारतीय जोड़ी की शुरुआत अच्छी रही। पहला गेम तेज-तर्रार एक्शन के साथ एक करीबी मुकाबला था। पहले गेम में चिराग और सात्विक ने 22-20 से जीत हासिल की। हालांकि, मलेशियाई जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की और इस गेम में 21-18 से जीत दर्ज कर मैच में बराबरी हासिल कर ली। चिया और यिक ने अपना संयम बनाए रखा और अंतिम गेम में भारतीयों

पर बढ़त बना ली। हालांकि चिराग और सात्विक एक-एक अंक के लिए लड़ते रहे, लेकिन मलेशियाई जोड़ी ने अंत में यह गेम 21-16 से जीतकर फाइनल मे प्रवेश कर लिया। इससे पहले दोनों ने क्वार्टर फाइनल में जापानी जोड़ी ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

एशिया कप: पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को तैयार भारत, प्रशंसकों को देखने को मिलेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला

साराजेवो। साराजेवो में आयोजित कैडेट विश्व चैंपियनशिप में भारतीय जुडोका लिंथोई चनंबम ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। लिंथोई ने ब्राजील की बियांका रीस को हराकर किसी भी आयु वर्ग में देश को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। लिंथोई ने स्वर्ण पदक के मैच में अपने ब्राजीलियाई प्रतिद्वंद्वी को 1-0 से हराया। लिंथोई मौजूदा एशियाई चैंपियन भी हैं। साई मीडिया ने ट्वीट किया, मौजूदा एशियाई चैंपियन लिंथोई ने (57 किग्रा भार वर्ग में) कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2022 में ब्राजील की

बियांका रीस को 1-0 से हराकर किसी भी आयु वर्ग में भारत के लिए पहला स्वर्ण जीता। लिंथोई लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) लाभार्थियों में शामिल हैं। साई मीडिया ने एक अन्य ट्वीट में कहा, जूडोका लिंथोई ने किसी भी आयु वर्ग (कैडेट, जूनियर, सीनियर) में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता है, लिंथोई टॉप्स योजना में शामिल एथलीट हैं। इंटरनेशनल जूडो फेडरेशन (आईजेएफ) ने ट्वीट किया, भारत के लिए पहली बार विश्व चैंपियनशिप पदक! लिंथोई के लिए स्वर्ण! वहीं, लिंथोई ने ट्वीट किया, 'मैं अब यह नहीं बता सकता कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं लेकिन मुझे पता है कि मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। बता दें कि लिंथोई खेल में देश के उभरते और सबसे चमकीले सितारों में से एक हैं। उन्होंने पहली बार 2018 में सब-जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। नवंबर 2021 में, उन्होंने चंडीगढ़ में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद जुलाई 2022 में एशियाई कैडेट और जूनियर जूडो चैंपियनशिप में एक और स्वर्ण पदक जीता। जूडो मैट पर भारत की सबसे उज्ज्वल संभावनाओं में से एक, लिंथोई चनंबम ने 2018 में सब-जूनियर नेशनल चैंपियनशिप और जुलाई 2022 में बैंकॉक में आयोजित एशियाई कैडेट और जूनियर जूडो चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास, 89.08 मीटर थ्रो के साथ जीता लुसाने डायमंड लीग मीट का खिताब

लुसाने। टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग मीट में 89.08 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ एक और स्वर्णिम सफलता हासिल की। चोपड़ा लुसाने में जीत के साथ ही प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीटिंग खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

इस जीत के साथ ही नीरज ने डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जो 7 और 8 सितंबर को ज्यूरिख, स्विट्जरलैंड में होगा। उन्होंने अब 2023 विश्व चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

नीरज ने अपने पहले प्रयास में 89.08 मीटर का थ्रो और दूसरे प्रयास में 85.18 मीटर का थ्रो

किया। उन्होंने तीसरा प्रयास छोड़ दिया और चौथे प्रयास में फाउल किया। इसके बाद अपना पांचवां प्रयास छोड़ दिया और फिर अपने छठे और अंतिम प्रयास में 80.04 मीटर का शानदार थ्रो किया। चेक गणराज्य के जैकब वालेज ने 85.88 मीटर थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन ने 83.72 मीटर थ्रो के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले जुलाई में, स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर हो गए थे। नीरज को ओरेगन में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में कमर में चोट लग गई, जहां उन्होंने इस टूर्नामेंट में पदक के लिए भारत के 19 साल के लंबे इंतजार को समाप्त करते हुए रजत जीता था।

उसे खुद के लिए रन बनाने की जरूरत है- विराट की फॉर्म पर बोले सौरव गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि संघर्ष कर रहे दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को सिर्फ भारत के लिए बल्कि अपने लिए भी रन बनाने की जरूरत है। कोहली 2019 में ईडन गार्डन्स में बांग्लादेश के खिलाफ गुलाबी गेंद के टेस्ट में शतक जडऩे के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 3 अंक में रन नहीं जुटा सके है। वह शनिवार से यहां शुरू हो रहे एशिया कप में फिर से पुरानी लय को हासिल करने की कोशिश करना चाहेंगे। गांगुली ने यहां एक बातचीत के दौरान कहा- उसे (कोहली) न केवल भारत के लिए बल्कि खुद के लिए रन बनाने की जरूरत है। उम्मीद है कि यह उसके लिए अच्छा सत्र होगा। हम सभी को विश्वास है कि वह लय में वापस आएगा। भारत के सबसे सफल कप्तानों में एक रहे गांगुली ने कहा- मुझे यकीन है कि जैसे हम सब उसके शतक का इंतजार कर रहे है वह भी उसके लिए उतनी ही मेहनत कर रहा है। टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाज के पास समय कम होता है ऐसे में शतक लगने की संभावना कम हो जाती है लेकिन उम्मीद है कि कोहली के लिए यह सफल सत्र होगा। 33 साल के कोहली ने जून-जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद एक महीने के विश्राम पर है। भारतीय टीम ने इस दौरान वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे में सीमित ओवरों की श्रृंखला खेली है। पिछली 5 पारियों में कोहली का सर्वोच्च स्कोर 20 रन रहा है जो उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टैस्ट मैच की दूसरी पारी में बनाया था।

एशिया कप: पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले को तैयार भारत, प्रशंसकों को देखने को मिलेगा हाई-वोल्टेज मुकाबला

सारअबू धाबी। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को दुबई में कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपने एशिया कप खिताब की रक्षा के लिए तैयार है। अब तक, दोनों टीमों के बीच 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए हैं, जिसमें से भारत ने सात मैच जीते हैं, जबकि पाकिस्तान को सिर्फ दो में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच आखिरी बार आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के दौरान मैच खेला गया था, जिसमें भारत को दस विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने भारतीय शीर्ष क्रम को ध्वस्त करते हुए 2 विकेट लिए थे। तत्कालीन कप्तान विराट कोहली (57) और ऋषभ पंत (39) के योगदान ने भारत को अपने 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 151रनों तक पहुँचाया, लेकिन मोहम्मद रिज़वान (79 *) और पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम (68 *) की बेहतरीन पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने यह मैच 10 विकेट से जीता।

लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग है। भारतीय टीम वर्तमान में शानदार फॉर्म

में है। भारतीय टीम ने एकदिवसीय और टी20ई श्रृंखला में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज को उनके घरों में मात दी है। टीम टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर भी है।

पाकिस्तान के खिलाफ यह मैच कप्तान रोहित शर्मा, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और केएल राहुल के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण होगा। भारतीय प्रशंसक चाहेंगे कि ये तीनों बल्लेबाज अपने बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन करें और टीम को जीत दिलाएं, विशेषकर सभी की निगाहें रोहित और विराट पर होंगी कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करें और मैच जिताने वाली पारी खेलें। भारत के मध्य क्रम में नए सितारों का उदय हुआ है। सूर्यकुमार यादव और दीपक हुड्डा दो रोमांचक स्ट्राइकर हैं जो पहली गेंद से ही आक्रमण कर सकते हैं। इन दोनों हिटरों के पास इस मैच में अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने का मौका है। हार्दिक पांड्या और ऋषभ पंत जैसे बल्लेबाज भी अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में काफी गहराई है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सभी की निगाहें भुवनेश्वर कुमार पर होंगी जो आक्रमण की अगुवाई करेंगे। वह इस साल टी 20 आई में भारत के लिए शानदार रहे हैं, खासकर पावरप्ले के दौरान। यंगस्टर्स अर्शदीप सिंह और अवेश खान के पास भी प्रभाव डालने का मौका होगा। स्पिन विभाग में अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उन्हें युजवेंद्र चहल और युवा रवि बिश्नोई के साथ आक्रमण को अच्छी तरह से पूरा करना होगा और अपनी गेंदों से पाकिस्तानियों को परेशान करना होगा।

पाकिस्तानी टीम की बात करें तो वे आईसीसी टी-20 रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं और उन्हें हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उनके शीर्ष क्रम में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के रूप में दो इन-फॉर्म बल्लेबाज हैं। जहां तक टी20 का संबंध है, ये दोनों पाकिस्तान के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं, लेकिन पक्ष को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे केवल उन पर ही आधारित न रहें। अन्य बल्लेबाजों जैसे फखर जमान, आसिफ अली, हैदर अली आदि को अपने शीर्ष बल्लेबाजों के समान ऊर्जा और दक्षता के साथ बल्ले से योगदान देना होगा, ये भारत के लिए एक बड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गैरमौजूदगी में पाकिस्तानी तेज गेंदबाजी आक्रमण को बड़ा झटका लगा है। एक अन्य तेज गेंदबाज मोहम्मद वसीम भी चोट के कारण बाहर हो गए। हालांकि टीम में नसीम शाह, हारिस रऊफ जैसे बेहतरीन युवा तेज गेंदबाज भी हैं। अनुभवी हसन अली की भी टीम में वापसी हुई है। शाहीन की जगह मोहम्मद हसनैन को भी टीम में शामिल किया गया है। परिणाम चाहे जो भी हो, प्रशंसकों को इन दो एशियाई दिग्गजों के बीच एक हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा और वे निश्चित रूप से अपने टीवी सेट से चिपके रहेंगे। पूरे स्टेडियम में भारतीय और पाकिस्तान के झंडे और जर्सी के रंग स्टैंड को सजाएंगे और राष्ट्रगान की आवाजें, बॉलीवुड गाने दुबई में बजेंगे और इस तरह के बड़े संघर्ष के लिए एक उपयुक्त वातावरण तैयार करेंगे।

कैमरन ग्रीन ने पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ किया करार

पर्थ। स्टार ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने बिग बैश लीग (बीबीएल) 2022-23 सीज़न के लिए पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ करार किया है। 23 वर्षीय ग्रीन 2019-20 में पर्थ के लिए खेले थे। ग्रीन ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के पाकिस्तान और श्रीलंका के एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दौरों के दौरान भी प्रभावित किया और अप्रैल में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टेस्ट (4-8 जनवरी) के बाद, ग्रीन के बीबीएल 12 के दूसरे हॉफ में उपलब्ध होने की उम्मीद है।

पर्थ से जुड़ने पर ग्रीन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं स्कॉर्चर्स के साथ वापस आने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मैंने पिछले सीज़न में उनकी सफलता को दूर से देखा है, इसलिए मैं वास्तव में वापस आने और टीम के लिए कुछ अच्छा क्रिकेट खेलने का और इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, टीम को अपने खेल पर बहुत भरोसा है, और मुझे लगता है कि वे जानते हैं कि कैसे जीतना है और कहीं से भी जीत सकते हैं, और जब आप मैच जीत रहे हैं, तो आप मजा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पर्थ के प्रशंसक पिछले साल इतने क्रिकेट से चूक गए और आप देख सकते हैं कि टीम के लिए वास्तव में दर्शकों के सामने खेलना कितना मायने रखता है - यह ऐसी चीज है जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं। ग्रीन के करार पर पर्थ स्कॉर्चर्स के मुख्य कोच एडम वोग्स ने कहा, हम कैम को

स्कॉर्चर्स के रंगों में वापस देखकर रोमांचित हैं। स्थानीय खिलाड़ियों के हमारे मजबूत समूह में उनके कैलिबर के खिलाड़ी को जोड़ना शानदार है। बल्ले और गेंद के साथ उनकी प्रतिभा हाल के वर्षों में ऑस्ट्रेलिया के लिए नियमित रूप से प्रदर्शित हुई है, और हम उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली बहुमुखी प्रतिभा से उत्साहित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने जुलाई में बिग बैश लीग (बीबीएल) के 12वें सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसका पहला मैच 13 दिसंबर को सिडनी थंडर और मेलबर्न स्टार्स के बीच मनुका ओवल में खेला जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में नहीं खेलने से निराश था : विवेक सागर प्रसाद

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर विवेक सागर प्रसाद घुटने की चोट के कारण बर्मिंघम 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल मैच में नहीं खेल सके थे। भारतीय टीम ने यह मुकाबला 7-0 से गंवा दिया था, जिसके बाद टीम को रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। विवेक ने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कॉमनवेल्थ गेम्स के फाइनल में नहीं खेलने से निराश था। इतने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी बात होती है। फाइनल में पहुंचने के लिए एक अच्छा अभियान खेलना और फिर चोट के कारण फाइनल से बाहर होना मेरे लिए निराशाजनक था। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में उस दिन अपनी टीम के लिए मैदान में रहना चाहता था। हालांकि, स्पोर्ट्स में ऐसा होता है। इसलिए, केवल एक चीज जो हम अभी कर सकते हैं, वह है आगे बढ़ना।

विवेक का यह दूसरा राष्ट्रमंडल खेल था। 2018 में, गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेल में विवेक टीम के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। उस समय उनकी उम्र 17 साल की थी, उस समय टीम बिना पदक के घर लौटी थी। विवेक ने कहा, 2018 में राष्ट्रमंडल खेलों में मेरा पहला अनुभव था। मैं काफी युवा था और वास्तव में उत्साहित था। लेकिन एक टीम के रूप में यह हमारे लिए निराशाजनक था। इस बार, हम एक अच्छे प्रदर्शन के लिए अड़े थे, लेकिन फिर से, फाइनल में योजना के अनुसार चीजें नहीं हुईं।

अमेरिका में गोलीबारी में दो की मौत, दो घायल

हेंडरसन। अमेरिका में ताजा गोलीबारी की घटना में दो लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना पश्चिमी केंटुकी में पुरुषों के आश्रय गृह में हुई। अधिकारियों के अनुसार इस संबंध में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। हेंडरसन पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा कि हार्बर हाउस क्रिश्चियन सेंटर में एक शूटर के होने की सूचना पर अधिकारियों ने गुरुवार शाम को कार्रवाई की। हेंडरसन शहर के आयुक्त रॉबर्ट प्रुइट ने बताया कि गोलीबारी शाम लगभग सात बजकर 40 मिनट पर हुई और उस समय लगभग 15 लोग केंद्र के अंदर थे।

पुलिस ने संदिग्ध की पहचान हेंडरसन के केनेथ बी. गिब्स के रूप में की और कहा कि उसे हिरासत में ले लिया गया है। हेंडरसन के पुलिस प्रमुख सीन मैक्किनी ने बताया कि आश्रय गृह में प्रत्यक्षदर्शियों ने गिब्स को शूटर के रूप में पहचाना और जब वह मिला तो उसके पास हथियार थे। हेंडरसन पुलिस लेफ्टिनेंट स्टीवर्ट ओ नान ने बताया कि घायल लोगों की हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि गिब्स को हेंडरसन काउंटी जेल में रखा गया है।

डोनाल्ड ट्रंप के आवास से बरामद 15 बक्सों में से 14 में गोपनीय दस्तावेज थेः एफबीआई

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया जांच एजेंसी एफबीआई (संघीय जांच ब्यूरो) ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित आवास से बरामद 15 बक्सों में से 14 में गोपनीय दस्तावेज मिलने का शुक्रवार को दावा किया है। एफबीआई ने इसी माह ट्रंप के मार-ए-लागो आवास पर छापा मारा था और इसके स्पष्टीकरण के लिए एक हलफनामा (एफीडेविट) जारी किया है।

एफबीआई के 32 पन्नों के हलफनामे में आपराधिक जांच को लेकर जानकारियां हैं। इसमें कहा गया है कि मार-ए-लागो स्थित आवास से संवेदनशील दस्तावेज बरामद किए गए हैं। दस्तावेजों में जांच का सबसे महत्वपूर्ण विवरण पेश किया गया है लेकिन एफबीआई अधिकारियों ने इसमें कुछ बदलाव भी किए हैं ताकि गवाहों की पहचान उजागर ना हो सके तथा जांच के संवदेनशील तौर-तरीकों का भी खुलासा ना हो। न्यायाधीश को एफबीआई ने हलफनामा दिया ताकि वह ट्रंप के आवास पर छापे का वारंट हासिल कर सके। इस हलफनामे में उन अहम सवालों के जवाब मिल सकते हैं कि ट्रंप व्हाइट हाउस से जाने के बाद गोपनीय दस्तावेजों को अपने साथ मार-ए-लागो आवास क्यों ले गए और ट्रंप तथा उनके प्रतिनिधियों ने ये दस्तावेज राष्ट्रीय अभिलेखागार तथा रिकॉर्ड ब्यूरो को क्यों नहीं दिए।

कोविड विवादः अमेरिका ने चीनी एयरलाइन की उड़ानें की निलंबित

बीजिंग। कोरोना वायरस रोधी नियंत्रणों को लेकर विवाद में बीजिंग द्वारा अमेरिकी कंपनियों की उड़ान निलंबित किए जाने के बाद अमेरिका सरकार ने अमेरिका से चीन के लिये चीनी एयरलाइंस की 26 उड़ानों को निलंबित कर दिया है। परिवहन विभाग ने बृहस्पतिवार को शिकायत की कि बीजिंग ने एक हवाई यात्रा समझौते का उल्लंघन किया और एयरलाइनों के साथ एक ऐसी प्रणाली के तहत गलत व्यवहार किया, जिसके लिए यात्रियों को कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करने पर उड़ानों को निलंबित करने की आवश्यकता होती है। परिवहन विभाग के मुताबिक, अमेरिकी नियामकों ने न्यूयॉर्क शहर से एयर चाइना लिमिटेड की सात उड़ानों और लॉस एंजिलिस से एयर चाइना, चाइना इस्टर्न एयरलाइंस लिमिटेड, चाइना सदर्न एयरलाइंस लिमिटेड और शियामन एयरलाइंस लिमिटेड की कुल 19 उड़ानों को स्थगित किया है। उसने कहा कि बीजिंग की 'सर्किट ब्रेकर' प्रणाली के तहत अमेरिकी विमानन कंपनियों युनाइटेड एयरलाइंस, अमेरिकन एयरलाइंस और डेल्टा एयरलाइंस को भी समान संख्या में उड़ानों को रद्द करना पड़ा था। सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की ''शून्य कोविड' रणनीति का लक्ष्य वायरस को चीन से बाहर रखना है जबकि अन्य सरकारें वायरस के साथ जीने की रणनीति अपना रही हैं। इससे संक्रमण के मामले तो कम हैं लेकिन इसने यात्रा, विनिर्माण और व्यापार को बाधित किया है। बीजिंग यात्रा प्रतिबंधों में ढील दे रहा है, लेकिन अधिकतर विदेशी लोगों के लिये चीन की तरफ से अब भी प्रतिबंध लागू है। परिवहन विभाग के मुताबिक सात अगस्त तक, यदि एक उड़ान में नौ यात्री संक्रमित पाए जाते हैं, तो वाहक (एयरलाइंस) दो सप्ताह के लिए उड़ान को निलंबित कर सकता है या यात्रियों को कुल संभावित संख्या के 40 प्रतिशत तक कम कर सकता था।

पढ़ाई करने विदेश नहीं जा पाएंगी अफगान छात्राएंःतालिबान सरकार ने काबुल छोड़ने पर बैन लगाया, सिर्फ छात्रों को देश छोड़ने की इजाजत

काबुल। तालिबान ने छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने पर बैन लगा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तालिबान ने छात्राओं को काबुल से कजाकिस्तान और कतर जैसे देशों में हायर एजुकेशन के लिए जाने से मना किया है। सिर्फ छात्रों को ही काबुल से बाहर जाने की इजाजत दी गई है।

अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद सबसे पहले तालिबान ने एजुकेशन सिस्टम में बदलाव करने शुरू किए। तालिबानी हुकूमत ने लड़कियों के लिए हाई स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए थे। महिलाओं के विरोध के बाद क्लास 6 तक स्कूल खोले गए। हाल ही में अफगानिस्तान के होम मिनिस्टर और तालिबान के को-डिप्टी लीडर सिराजुद्दीन हक्कानी ने हाई स्कूल खोलने का वादा किया था। लेकिन अब हायर एजुकेशन के खिलाफ नया फरमान जारी कर दिया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल से कुछ लड़के और लड़कियां पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहते थे। लेकिन लड़कियों को रोक दिया गया और लड़कों को जाने दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, काबुल से कुछ लड़के और लड़कियां पढ़ाई के लिए विदेश जाना चाहते थे। लेकिन लड़कियों को रोक दिया गया और लड़कों को जाने दिया गया।

लड़कों की तुलना में लड़कियों को कम भोजन

अफगानिस्तान में सत्ता काबिज करने के बाद तालिबान ने कहा था कि वो महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा आजादी देंगे। लेकिन पिछले एक साल में अफगानिस्तान में रहने वाली महिलाओं की स्थिति दुनिया से छिपी नहीं है। यहां महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है। परिवार की लड़कियों को लड़कों की तुलना में कम भोजन मिल पा रहा है।

महिला अधिकारों को लगातार सीमित कर रहा है तालिबान

तालिबान ने काबुल पर कब्जा करने के बाद कहा था- हम 1996 के शासन की तरह इस बार महिलाओं के अधिकारों के साथ किसी कोई खिलवाड़ नहीं करेंगे। वे इस्लाम के दायरे में रहकर महिलाओं की शिक्षा और रोजगार के अवसर पैदा करेंगे। लेकिन हर दिन तालिबान महिला अधिकारों को सीमित कर रहा है। चाहे वो स्कूल बंद करना हो, सरकारी दफ्तर के दरवाजे महिलाओं के लिए बंद करना हो। तालिबान अपने पुराने रूप में वापसी कर रहा है। सरकार बनने के एक महीने बाद ही सोशल मीडिया पर ये तस्वीर खूब वायरल हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक महिला पर अश्लीलता फैलाने का आरोप था। जिसकी सजा कौड़े मारकर दी गई थी। सरकार बनने के एक महीने बाद ही सोशल मीडिया पर ये तस्वीर खूब वायरल हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक महिला पर अश्लीलता फैलाने का आरोप था। जिसकी सजा कौड़े मारकर दी गई थी।

महिलाओं के अधिकारों को सीमित करने तालिबान ने क्या किया?

मार्च में तालिबान ने महिलाओं के अकेले हवाई सफर पर पाबंदी लगा दी थी। इसे लेकर तालिबान ने जो आदेश लागू किया था, उसमें कहा गया था कि महिलाओं को किसी पुरूष (अभिभावक या पति) की मौजूदगी में ही हवाई यात्रा करने की परमिशन दी जाएगी।

तालिबान हुकूमत ने महिला और पुरुषों के एक ही दिन अम्यूजमेंट पार्क जाने पर रोक लगा दी। न्यूज एजेंसी स्पुतनिक ने बताया, नए फरमान के मुताबिक अब पुरुष बुधवार से शनिवार और महिलाएं रविवार से मंगलवार तक ही अम्यूजमेंट पार्क जा सकेंगी। तालिबान ने फरमान जारी कर कहा था कि महिलाओं को पब्लिक के बीच चेहरा कवर करना ही होगा और सार्वजनिक जगहों पर बुर्का पहनना ही होगा। तालिबान ने महिला न्यूज एंकर्स को एंकरिंग के दौरान चेहरा कवर करने के आदेश दिए। अफगानिस्तान के सबसे हेरात शहर में तालिबानी अधिकारियों ने सभी ड्राइविंग इंस्टीट्यूट से महिलाओं का लाइसेंस इश्यू न करने का फरमान जारी किया। तालिबान हुकूमत ने महिलाओं के अकेले सफर करने पर रोक का फरमान जारी किया। तालिबान की तरफ से जारी बयान में कहा गया- वो औरतें जो पुरुष रिश्तेदार के बिना लंबी दूरी का सफर तय करती हैं, उन्हें सवारी गाड़ी में नहीं बैठाया जाए।

ऑस्ट्रेलिया में खरगोश बने बड़ी आपदः इंग्लैंड से 150 साल पहले मिले थे 24 खरगोश, 1600 करोड़ का हर साल कर रहे नुकसान

कैनबर्रा। ऑस्ट्रेलिया में खरगोशों की तादाद करीब 20 करोड़ के आसपास हो गई है। जो देश के लिए एक नई आपदा बन गए हैं। दरअसल, खरगोश ऑस्ट्रेलिया के स्थानीय जीव नहीं हैं। इन्हें वहां इनवेसिव स्पीशिज माना जाता है। इन खरगोशों के ऑस्ट्रेलिया पहुंचने की कहानी बड़ी दिलचस्प है।

यह बात है 1859 की। 25 दिसंबर क्रिसमस में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न बंदरगाह पर इंग्लैंड से एक जहाज आया। इसमें थॉमस ऑस्टिन नाम के एक व्यक्ति के लिए क्रिसमस के तोहफे में 24 खरगोश आए थे। ऑस्टिन इंग्लैंड के रहने वाले थे और मेलबर्न आकर बस गए थे। वे अपने कंपाउंड में बहुत सारे खरगोश पालना चाहते थे। लिहाजा उनके भाई ने इंग्लैंड से यूरोपीय खरगोश उपहार में भेजे थे। इसमें जंगली और पालतू दोनों तरह के खरगोश थे। सिडनी में 1788 में 5 खरगोश आए। अगले 70 साल में ऑस्ट्रेलिया में 90 खरगोश और आए, लेकिन वंशानुक्रम के आधार पर ज्यादातर का ताल्लुक ऑस्टिन के खरगोशों से ही है।

ये खरगोश फसलों और पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं

सिडनी में 1788 में 5 खरगोश आए। अगले 70 साल में ऑस्ट्रेलिया में 90 खरगोश और आए, लेकिन वंशानुक्रम के आधार पर ज्यादातर का ताल्लुक ऑस्टिन के खरगोशों से ही है।

ऑस्टिन की चाहत पूरी हुई। इन खरगोशों से 3 साल में हजारों खरगोश पैदा हुए। अब ये खरगोश फसलों और स्थानीय पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया में बेहिसाब जनसंख्या बायोलॉजिकल इनवेजन की सबसे विनाशकारी मिसालों में से एक है। इसे बाहर से लाए गए स्तनधारी जीवों का सबसे तेज रफ्तार से हुआ कोलोनाइजेशन माना जाता है। इससे ऑस्ट्रेलिया को सालाना करीब 1,600 करोड़ रुपए का कृषि-संबंधी नुकसान होता है।

100 किमी प्रति वर्ष फैली इन खरगोशों की आबादी

हाल ही में हुए शोध में सामने आया कि ऑस्टिन को भेजे गए खरगोशों को मेलबर्न पहुंचने में जहाज में 80 दिन लगे। इस दौरान दोनों तरह के खरगोशों में इंटरब्रीडिंग हुई। लिहाजा 100 किमी प्रति वर्ष की दर से ये खरगोश फैलते गए। 50 साल में वो 13 गुना बड़े इलाके में फैल गए।

पाकिस्तान में बाढ़ का कहरः दो राज्यों में रेल व हवाई यातायात ठप, सेना तैनात

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बाढ़ का कहर जानलेवा साबित हो रहा है। दो राज्यों सिंध व बलूचिस्तान में रेल व हवाई यातायात ठप हो गया है। स्थिति अत्यधिक खराब होने पर प्रभावित इलाकों में सेना तैनात की गयी है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान इस समय बीते दस वर्षों में सर्वाधिक भीषण बाढ़ की विभीषिका से जूझ रहा है। पूरे देश में अब तक एक हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार पिछले 24 घंटों में ही 45 लोगों ने बाढ़ की विभीषिका के चलते जान गंवाई है। इस कारण गंभीर हालात में अस्पतालों में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे लोगों की संख्या भी डेढ़ हजार पार कर गयी है। पिछले चौबीस घंटों में ही 113 लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाना पड़ा है।

वैसे तो पूरा पाकिस्तान बाढ़ से जूझ रहा है, किन्तु सबसे बुरा हाल सिंध व बलूचिस्तान का है। हालात इतने गंभीर हैं कि राहत व बचाव कार्यों के लिए सेना तैनात करने का फैसला किया गया है। पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने बताया कि प्रभावित इलाकों में सेना को मदद करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत सेना को बुलाया गया है। सेना आपात स्थिति से निपटने में स्थानीय प्रशासन की मदद करेगी।सिंध व बलूचिस्तान में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। दोनों राज्यों में रेल व हवाई यातायात ठप हो गया है। पाकिस्तान रेलवे ने दोनों प्रांतों में रेलगाड़ियां बंद कर दी हैं। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा को शेष पाकिस्तान से जोड़ती रेलवे लाइन बाढ़ की चपेट में आकर बह गयी है और कई रेलवे पुल टूट गए हैं। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने खराब मौसम के कारण शुक्रवार को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के लिए उड़ानें रोक दी थीं। बाद में बलूचिस्तान के साथ सिंध में भी हवाई यातायात ठप हो गया। बाढ़ ने पाकिस्तान के बुनियादी ढांचे को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के मुताबिक बाढ़ अपने साथ डेढ़ सौ पुल बहा ले गयी और तीन हजार किलोमीटर से अधिक सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। इसके अलावा सात लाख से अधिक घर बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गए। अभूतपूर्व बारिश के कारण आई बाढ़ से पाकिस्तान का आधे से अधिक हिस्सा जलमग्न हो गया है। 110 जिलों में 57 लाख से अधिक लोग बगैर भोजन व ठिकाने के रहने को मजबूर हैं।

बांग्लादेश में भी गहराया आर्थिक संकट, गुस्साए लोग सड़कों पर उतरे

ढाका। बांग्लादेश में आर्थिक संकट गहरा गया है। लगातार बढ़ती महंगाई और जरूरी चीजों के अभाव के खिलाफ गुस्साए लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। बांग्लादेश के लेफ्ट डेमोक्रेटिक एलायंस के आह्वान पर हुई आम हड़ताल के दौरान देश भर में विरोध प्रदर्शन किए गए। श्रीलंका में आर्थिक व राजनीतिक संकट के बाद अब बांग्लादेश में भी आर्थिक संकट मुसीबत बनता नजर आ रहा है। लगातार ईंधन महंगा होने के कारण सरकार ने भी ईंधन बचत के लिए कोशिशें शुरू कर दी हैं। बांग्लादेश में अभी तक विद्यालयों में अवकाश रहता था। अब वहां सप्ताह में दो दिन विद्यालय बंद रहेंगे। सरकार ने शुक्रवार के शनिवार को भी विद्यालयों में छुट्टी करने का फैसला किया है। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों और बैंकों आदि में कामकाज के घंटे घटा दिए गए हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार आ रही गिरावट के कारण बांग्लादेश सरकार को इन उपायों की घोषणा

करनी पड़ी है। बताया गया कि पिछले माह देश के कच्चे तेल आयात का खर्च 50 प्रतिशत बढ़ा है। अब सरकार रूस से कच्चा तेल हासिल करने की संभावना तलाश रही है। देश में महंगाई की दर भी काफी ऊंची हो गई है। अनाज की महंगाई पर काबू पाने के लिए सरकार ने रूस, वियतनाम और भारत से अनाज आयात करने का समझौता किया है। इस समझौते के अंतर्गत 83 लाख टन गेहूं और चावल का आयात किया जाएगा। कहा जा रहा है कि इस फैसले देश में अनाज की महंगाई पर काबू पाने में तो मदद मिलेगी, किन्तु विदेशी मुद्रा का संकट और गहराने की आशंका है। बांग्लादेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 4.5 बिलियन डॉलर का कर्ज भी मांगा है। इन स्थितियों के चलते देश भर में गुस्सा नजर आ रहा है। लोग सड़कों पर उतर कर आंदोलन कर रहे हैं। लेफ्ट डेमोक्रेटिक एलायंस के आह्वान पर हुई आम हड़ताल के दौरान भी देश भर में विरोध प्रदर्शन किए गए। लोगों ने सड़कों पर जुलूस निकालकर महंगाई न रोक पाने के लिए सरकार की आलोचना की।

शहबाज शरीफ पर गंभीर आरोपःइमरान सरकार में मंत्री रहीं शिरीन मजारी बोलीं- कतर में इजराइली अफसरों से मिले पीएम, सच्चाई बताएं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर आरोप लग रहे हैं कि पिछले दिनों उन्होंने कतर की राजधानी दोहा के एयरपोर्ट पर प्लेन में इजराइल के कुछ अफसरों से मुलाकात की। इमरान खान सरकार में मंत्री रहीं शिरीन मजारी ने विदेश मंत्रालय और शहबाज से इस मामले में सफाई मांगी है। दोनों की इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद का एयरक्राफ्ट कुछ घंटे बाद आकर खड़ा हो गया। मोसाद का यह स्पेशल मिशन जेट था। इसका नंबर n467am था। यह दोहा एयरपोर्ट पर करीब 9 घंटे रुका। शिरीन ने आगे लिखा- शहबाज और मोसाद के एयरक्राफ्ट एक-दूसरे के बगल में 9 घंटे खड़े रहे। हमें यह बताया जाए कि यह महज इत्तेफाक था या कुछ और? क्या शहबाज या उनके अफसरों ने एयरक्राफ्ट में मोसाद के अफसरों से सीक्रेट मुलाकात की। क्या ये इसलिए किया गया ताकि मीडिया की नजरों में यह मामला न आ जाए?

आरोप गलत तो खंडन कीजिए

शिरीन ने इस मामले पर आगे लिखा- मैं जो दावा कर रही हूं वो ओपन सोर्स के बेस पर है। प्लेन ट्रैकिंग वेबसाइट्स पर भी इसका डेटा मौजूद है। अगर मेरे आरोप गलत हैं तो शहबाज शरीफ या विदेश मंत्रालय को इनका खंडन करना चाहिए। क्या अमेरिका ने हमारी सरकार अपने इसी एजेंडा (इजराइल को मान्यता दिलाने) को पूरा करने के लिए गिराई।

शहबाज इसी हफ्ते मंगलवार और बुधवार को कतर दौरे पर गए थे। उनके साथ पाकिस्तानी सेना कुछ बड़े अफसर भी शामिल थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि कतर में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की फौज सिक्योरिटी असिस्टेंस देगी। हालांकि, अब तक कतर ने कुछ नहीं कहा है।

सऊदी ने भी नहीं दी है मान्यता

इजराइल को एक आजाद मुल्क बने 70 साल से ज्यादा हो गए, लेकिन फिलिस्तीन विवाद की वजह से अब तक कई मुस्लिम देशों ने उसे मान्यता नहीं दी है। पाकिस्तान और सऊदी अरब उन इस्लामिक देशों में शुमार हैं, जिन्होंने फिलिस्तीन से एकजुटता दिखाने के लिए अब तक इजराइल को मान्यता नहीं दी है। दोनों देश ह छोड़कर ऐसे किसी प्लेटफॉर्म पर नहीं जाते, जहां इजराइल की मौजूदगी हो।

मुल्क की नब्ज भांपने की कोशिश

कुछ वक्त पहले पाकिस्तान के पूर्व आर्मी जनरल अमजद शोएब ने एक टीवी प्रोग्राम में कहा था- दुनिया बदल रही है और हम इजराइल जैसे देश के साथ हमेशा मजहब के आधार पर दुश्मनी नहीं रख सकते। ये समझदारी का काम नहीं है। बहरीन,श्र और ओमान जैसे देश इजराइल को मान्यता दे चुके हैं। इन देशों को इसका जबरदस्त फायदा भी हो रहा है। मुझ से कई लोग इस बारे में सवाल करते हैं कि आप, यानी पाकिस्तान पीछे क्यों है।

यहां एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि शोएब का बयान क्यों अहम है। दरअसल, टीवी प्रोग्राम्स या डिबेट में शिरकत करने वाले पूर्व अफसरों के नाम पाकिस्तान के आर्मी चीफ और वहां का मीडिया विंग ष्ठल ढूस्क्कतय करता है। लिहाजा, ये शोएब का यह बयान निजी नहीं था। माना ये जा रहा है कि मुल्क के कट्टरपंथियों का इजराइल के बारे में रिएक्शन देखने के लिए ही यह बयान दिलवाया गया था।

अर्जेंटीना ने भारत से लड़ाकू एलसीए तेजस खरीदने में दिखाई दिलचस्पी

अर्जेंटीना ने जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता के लिए भारत के प्रति समर्थन जताया

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के दौरे पर पहुंचे भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति व विदेश मंत्री के साथ मुलाकातें सकारात्मक रही हैं। भारतीय विदेश मंत्री के दो दिवसीय दौरे की समाप्ति के बाद जारी साझा बयान में बताया गया है कि अर्जेंटीना ने भारत में बने तेजस लड़ाकू विमान खरीदने में रुचि दिखाई है। इसके साथ ही जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता के लिए भी भारत का समर्थन किया है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने इस दौरे में अर्जेंटीना के कई मंत्रियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। भारत और अर्जेंटीना के विदेश मंत्री सैंटियागो कैफिएरो की सह-अध्यक्षता में एक व्यापक और संयुक्त आयोग की बैठक भी हुई। इस बैठक में रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु मुद्दों सहित रणनीतिक क्षेत्रों पर व्यापक समीक्षा की गई। इसके अलावा दोनों देशों के बाजारों तक आपसी पहुंच, कृषि, पशुपालन, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर भी विचार विमर्श हुआ।

अर्जेंटीना ने अपनी वायु सेना के लिए 'मेड इन इंडिया' तेजस लड़ाकू विमानों में रुचि दिखाई है। दोनों देशों के साझा बयान में भी इस मुद्दे का उल्लेख किया गया है। भारतीय विदेश मंत्री ने अर्जेंटीना वायु सेना के लिए भारत में निर्मित तेजस लड़ाकू विमान में अर्जेंटीना की रुचि को स्वीकार करते हुए द्विपक्षीय संबंधों के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। साझा बयान में माल्विनास द्वीप समूह के नाम से फ़ॉकलैंड द्वीप मुद्दे का उल्लेख है। भारत ने माल्विनास द्वीप समूह के प्रश्न से संबंधित संप्रभुता के मुद्दे का समाधान खोजने के लिए वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए अपना समर्थन दोहराया। साझा बयान में कहा गया है कि अर्जेंटीना ने जी-20 देशों के समूह की अध्यक्षता के लिए भारत के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि भी की है। भारत के विदेश मंत्री ने यात्रा के दौरान रिपब्लिका डे ला इंडिया स्ट्रीट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। साथ ही भारतीय समुदाय के साथ चाय पर चर्चा की। भारतीय विदेश मंत्री ने जनरल जोस डी सैन मार्टिन के स्मारक पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र का जल्द दौरा कर सकते हैं आईएईए अधिकारी

कीव। यूक्रेन के जपोरिजिया परमाणु संयंत्र पर लगातार रूस के हमले के बाद संयंत्र ठप होने और रेडिशन की आशंका के बीच अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के अधिकारी जल्द दौरा कर सकते हैं। रूस के हमले से अस्थाई रूप से एक दिन पहले अंतिम ट्रांसमिशन लाइन खराब होने के बाद बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। बीती रात इस इलाके में और गोलाबारी हुई। यूक्रेन के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही यूक्रेन में परमाणु हादसा होने का खतरा बढ़ गया है। गौरतलब है कि देश में 1986 में हुआ चर्नोबिल परमाणु हादसा अब भी लोगों को डरा रहा है। जपोरिजिया में रूस के अधिकारियों ने इस आग के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि संयंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा था लेकिन इस समस्या के कारण यह संयंत्र केवल रूस के कब्जे वाले इलाकों में बिजली की आपूर्ति कर रहा है न कि बाकी के यूक्रेन में। मुश्किल हालात में एक अच्छी खबर यह है कि यूक्रेन के बिजली ट्रांसमिशन ऑपरेटर यूक्रेनर्गा ने शुक्रवार को कहा कि जपोरिजिया संयंत्र को बिजली की आपूर्ति कर रही दो मुख्य लाइनों को बहाल कर लिया गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसका मरम्मत दल अन्य मुख्य लाइन को बहाल करने का काम भी जल्द पूरा कर लेगा, जिससे संयंत्र की सुरक्षा मजबूत होगी।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।